FACT
प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS

राष्ट्रवाणी

राजभाषा गृह पत्रिका

अंक 1 जुलाई 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

प्रिय साथियों....

हम सब जानते हैं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि प्रधान देश होने के बावजूद भी हमारे देश के कृषक की दशा दयनीय है। विपरीत मौसम, तमाम परिस्थितियाँ केवल किसानों की खेती को ही नहीं, बल्कि उनके जीवन को भी प्रभावित करता है। हमारी कंपनी का मुख्य उद्देश्य कृषकों के फसलों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पोषण प्रदान कराना है। हमारी कंपनी उर्वरक उत्पादन एवं संचालन के क्षेत्र में देश की अग्रणी कंपनी है। हमारा लगातार प्रयास रहता है कि हम अपने दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्र के किसानों तक उत्तम प्रकार के उर्वरकों को पहुँचा सके। इस उद्देश्य में हमारी कंपनी ने विगत कुछ वर्षों में एक बेहतर निष्पादन प्रस्तुत किया है।

मुझे आपको यह बताते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि हमारे कर्मचारियों के समर्पित और अथक प्रयासों से हमने वर्ष 2021-22 के दौरान रिकार्ड उत्पादन और बिक्री के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ है। हमारी कंपनी ने 353 करोङ रूपये का सर्वकालीन उच्च प्रचालन लाभ और 4425 करोङ रूपये का पण्यावर्त प्राप्त किया है। पिछले वर्ष हमने जो निष्पादन किया है वह एफ ए सी टी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना बन गया है। हमने लगभग एक दशक के काम बंद होने के बाद केप्रोलेक्टम के निरंतर उत्पादन को फिर से शुरू कर दिया है। मैं इस अवसर पर पूरी टीम को उनके महत्वपूर्ण प्रयास के लिए बधाई देता हूँ। साथ ही हमारी कंपनी की कार्यनीति भाग के रूप में कंपनी के कोचीन संभाग में एन पी संयंत्र स्थापित करके अपनी उर्वरक उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है। इस परियोजना के लागू होने से हमारा उर्वरक उत्पादन 1.5 मिलियन मी ट तक पहुंच जाएगा।

आप सभी के साथ यह साझा करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारी कंपनी की राजभाषा गृह पत्रिका "राष्ट्रवाणी" के सभी अंकों को काफी सराहा जा रहा है। हमारी कंपनी के कई सहकर्मी एवं अधिकारीगण इसमें बढ चढ कर सहभागिता दर्ज करा रहे हैं।

मैं, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के लिए सभी सदस्यों, कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रबंध प्रशिक्षणार्थियों को जिन्होनें इस पत्रिका के लिए अपनी रचनाएँ एवं लेख प्रकाशनार्थ दिए हैं और प्रोत्साहित किया है, उन सभी के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं आशा करता हूँ कि आगे भी पत्रिका के प्रकाशित होने वाले सभी भावी अंकों में अपना पूर्ण सहयोग देंगे।

हमारी गृह पत्रिका राष्ट्रवाणी की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिंदी की सेवा में

जय हिंद

(ह)

किशोर रूंग्टा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संदेश

प्रिय हिंदी प्रेमी पाठक

स्वतंत्रता के 75 वें साल में पिछले वर्ष 15 अगस्त 2021 से हम सब लोग आजादी का अमृत महोत्सव मना रहें हैं। मानसून बारिश अपने चरम पर है और चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है। एक उर्वरक बनाने वाली कंपनी के लिए इससे अच्छा मौसम क्या हो सकता है। सचमूच एक उत्सव का समय है।

एफ ए सी टी के विपणन संभाग एवं आंचलिक कार्यालयों ने भी डीलर्स, रिटेलर और किसानों को इस उत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपने साथ जोङा।

प्रतिवर्ष राष्ट्रवाणी के माध्यम से मुझे आपसे सीधे बात करने का मौका मिलता है। आप सबके सम्मिलित प्रयासों से कंपनी ने प्रगति के पथ प्रदर्शक नारे को चरितार्थ किया है और एफ ए सी टी लगातार प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है। आप सब इसके लिए सिर्फ बधाई के ही पात्र नहीं, अपितु धन्यवाद के पात्र भी है।

एफ ए सी टी के सभी संभागों ने अपने अपने कार्यक्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है और इसका ही परिणाम है कि दक्षिण भारत में हम उर्वरक के व्यापार में अग्रणी है। एक लिडर के सामने सबसे बडी चुनौती होती है की वो प्रतिस्पर्धा किसके साथ करे। उसे नित अपने ही रिकॉर्ड तोङने होते है और अपने आप से प्रतिस्पर्धा करनी होती है। कंपनी के रूप में, विभाग के रूप में व व्यक्ति के रूप में नियम एक ही है। शीर्ष तक पहुँचना मुश्किल होता है, परंतु शीर्ष पर बने रहना और ज्यादा कठिन होता है क्योंकि आपके प्रतिद्वंदी लगातार आपसे आगे निकलने का प्रयास करते रहते हैं।

अब धीरे धीरे कंपनी सफलतापूर्वक अपना विस्तार उत्तर भारत की तरफ भी कर रही है। आपका हिंदी प्रेम उस दिशा में काफी उपयोगी सिद्ध होगा। उत्तर भारत के किसानों ने भी कंपनी के उत्पादों को कृषि में प्रयोग किया और अच्छे परिणाम पाए। उत्तर भारत के किसानों से संपर्क साधने में हिंदी बहुत ही प्रभावी होगी।

आपके हिंदी प्रेम के कारण ही कंपनी प्रत्येक वर्ष पुरस्कार भी प्राप्त करती है। इसके लिए सिर्फ वो लोग बधाई के पात्र नहीं है, जो प्रतियोगिताओं में शामिल होते हैं, इस पत्रिका में लेख लिखते हैं, परंतु वो भी है जो इस पत्रिका को पढते हैं। किसी भी पत्रिका की महत्ता उसके पाठकों से होती है। पिछले दो साल कोविड की त्रासदी के बावजूद, किसानों के अथक प्रयासों से, कृषि के योगदान से देश की वित्तीय स्थिति और देशों की तुलना में अच्छी हुई। आइए हम सब मिलकर अन्नदाता किसानों की खुशहाली की प्रार्थना करें। अच्छी कृषि देश को प्रगति की तरफ ले जाएगी।

मैं आशा करता हूँ कि इस वर्ष भी पत्रिका दूर दूर के पाठकों तक हमारे बिजनेस पार्टनर- डीलर्स और किसानों तक ई मेल, टविट र और फेसबुक जैसे डिजिटल माध्यमों से पहुँचेगी। हिंदी विभाग का ये प्रयास बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रवाणी की संपादकीय टीम को पत्रिका के उज्जवल भविष्य एवं लगातार प्रगति के लिए मेरी शुभकामनाएं।

मेरे दो शब्दों को पढने के लिए, आपके समय के योगदान के लिए...

धन्यवाद, जय हिंद

(ह)

अनुपम मिश्रा
निदेशक (विपणन)

संदेश

प्रिय पाठक

कंपनी की राजभाषा गृह पत्रिका राष्ट्रवाणी के नवीनतम अंक को प्रकाशित करने के लिए आप सभी को शुभकामनाएँ।

राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए हिंदी विभाग लगातार प्रयासरत है और इस दिशा में अधिकाधिक कार्य द्विभाषी तरीके से किए जा रहे हैं। लगभग अधिकतम मॉड्यूल हमारी कंपनी में सभी उपयोगकर्ताओं के लिए द्विभाषी रूप में उपलब्ध है ताकि हमारी कंपनी से जुड़े किसानों और ग्राहकों को मुख्य जानकारी प्रसारित की जा सके। हमारी कंपनी के बेबपेज को भी द्विभाषी तरीके से तैयार किया गया है ताकि लोग आसानी से हमारे साथ जुड़ सकें। बेहतर संचार राष्ट्र की प्रगति के लिए बुनियाद है। बेहतर संचार संबंधित भाषा में ही हो सकता है, इसलिए हिंदी को राजभाषा के रूप में चुना गया है। मैं हर किसी से अनुरोध करता हूँ कि वह हिंदी में बोलें और जवाब दें ताकि इसे हर किसी के मातृ भाषा के साथ हमारे जीवन के हिस्से के रूप नें लाया जा सके।

भाषा विभिन्नता होने के बाद हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। हमारा दायित्व बनता है कि हम हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में सतत् सार्थक कदम बढाएँ। कार्यालयी कार्य में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए जटिल हिंदी की जगह आम बोलचाल की भाषा का उपयोग करें, जिससे हिंदी बोझिल हुए बिना सहज और सरल शब्दों में कार्यालय के दैनिक कार्यों के उपयोग में सरलता से प्रवेश कर सके।

गृह पत्रिका राष्ट्रवाणी की सफलता के लिए एकबार पुनः हार्दिक बधाई।

(ह)

एस शक्तिमणि

निदेशक (वित्त)

संदेश

प्रिय साथियों....

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि हमारी कंपनी की राजभाषा गृह पत्रिका राष्ट्रवाणी का नवीनतम अंक जल्द ही प्रकाशित होने जा रही है। इससे जुड़े समस्त कर्मचारियों, अधिकारियों एवं सदस्यगणो को बधाई देता हूँ। यह पत्रिका न केवल हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु बल्कि कंपनी की निष्पादन को भी दर्शाती है। पिछले कई वर्षों में हिंदी का काफी प्रचार प्रसार हुआ है। सरकारी कार्यालयों में अब लोग ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हिंदी में कार्य कर रहे हैं।

मुझे यह देखकर खुशी होती है कि हमारी कंपनी भी हिंदी के प्रचार प्रसार में आगे है। कंपनी को टोलिक स्तर पर पुरस्कृत होना खुद में हमसब के लिए गर्व की बात है। आजकल तकनीकी क्षेत्र में भी हिंदी का काफी प्रसार हुआ है। कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल, एपलिकेशन आदि में आसानी से हिंदी को देखने मिलता है। लोग अब आसानी से ई-मेल एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी में लिख सक रहे हैं। चूंकि हम आजकल डिजिटल भारत पर अधिक जोर दे रहे हैं। इस अभियान में हिंदी एक प्रमुख भाषा के रूप में सामने उभरी है। भारत जनसंख्या की दृष्टि से एक विशाल देश है। इस देश में अधिकतर लोग अशिक्षित हैं। इन सब के बीच डिजिटल भारत का सपना पूरा करना, हिंदी के बगैर नामुमकिन है। अतः हिंदी ही इस अभियान का एक मात्र साधन है।

अंततः मैं एक बार पुनः राष्ट्रवाणी के समस्त सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ, जो निरंतर हिंदी के विकास में अपना योगदान देते हैं।

जय हिंद, जय हिंदी

(ह)

ए एस केशवन नंपूरी

निदेशक (तकनीकी)

विषय-सूची

क्र सं	शीर्षक	पेज सं
1	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	02
2	निदेशकगण का संदेश	03-05
3	विषय सूची	06
4	संपादक के कलम से	07
5	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक/ क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भागीदारी	08
6	51वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह-2022	09
7	शब्दों की महत्ता	10
8	उर्वरक आवेदन जागरूकता कार्यक्रम	11
9	हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह	12-13
10	हिंदी के प्रमुख कवि	14
11	एम के के नायर को श्रद्धांजली/ फेक्ट 2021-22 का निष्पादन रिपोर्ट	15
12	बैंगलूरू आंचलिक कार्यालय में संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण	16-17
13	फेक्ट आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा निरीक्षण	18
14	फेक्ट आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यशाला	19
15	फेक्ट को साउथ इंडिया बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रंड अवार्डस2021	20
16	हरियाणा एक नजर/नए संयंत्र की भूमि पूजन	21-22
17	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह2022	23
18	कविताएं	24
19	फेक्ट एम के के नायर उत्पादकता पुरस्कार/श्रेष्ठता पुरस्कार का वितरण	25
20	बेलगाम, कर्नाटक में आजादी का अमृत महोत्सव	26
21	गणतंत्र दिवस समारोह2022	27
22	वित्तीय वर्ष 201-22 के दौरान विपणन, यू सी, पी डी का निष्पादन रिपोर्ट	28
23	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित गतिविधियाँ	29
24	आलप्पुषा में हाउसबोट की यात्रा	30
25	फेक्ट ललितकला केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम	31
26	फामिली फेक्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम	32
27	फेक्ट के लिए सुरक्षा पुरस्कार2021	33
28	माँ वैष्णों देवी की यात्रा	34
29	राजभाषा की संवैधानिक स्थिति	35-36
30	फेक्ट में आजादी का अमृत महोत्सव	37-38
31	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस/ निगम कार्यालय में संविधान पालन करने की प्रतिज्ञा	39
32	संगठन में सूचना प्रौधोगिकी विभाग का महत्व	40
33	कोचीन संभाग की उपलब्धियाँ	41
34	हमारी मनाली यात्रा	42-43
35	राजभाषा हिंदी की चुनौतियाँ	44-45
36	नेमी कार्यालय टिप्पणियाँ	46
37	रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री जी का स्वागत	47

संपादकीय समिति

प्रबंधन
हिंदी विभाग

प्रबंध संपादक
रजनी मोहन, महाप्रबंधक (विपणन)

मुख्य संपादक
श्री ए आर मोहन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मा सं और प्रशासन)

संपादक
पंचानन पोद्दार, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सदस्य
एम. मोहनचंद्रन, महाप्रबंधक (सी डी)
सिबी माइकिल, महाप्रबंधक (फेडो)
बाबु जोस, महाप्रबंधक(प्रचालन) सी डी
प्रशांत कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (थर्मल)यू सी
दीपक टी पी, उप प्रबंधक (मा सं)

संपादकीय कार्यालय
दि फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड
उद्योगमंडल - 683 501, कोच्ची, केरल, भारत
ई-मेलः hindi@factltd.com

दि फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड के लिए और इसकी ओर से आंतरिक वितरण के लिए प्रकाशित। लेखों में दिए तथ्यों की शुद्धता स्वयं लेखकों का ही है।

मुख चित्र

दिनांक 23.06.2022 को नई दिल्ली में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में माननीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मंडाविया एवं माननीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री भगवंत खुबा से हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री किशोर रूंग्टा राजभाषा प्रशस्ति पत्र स्वीकार करते हुए।

संपादक के कलम से

आजादी के बाद हमने काफी लंबा सफर तय किया है। फिर भी हम अपने अंतर्क्षेत्रीय संचार के लिए एक विदेशी भाषा पर निर्भरता से छुटकारा नहीं पा सके। भारत एक बहुभाषी आबादी वाला देश है. इसे 22 संवैधानिक रूप से स्वीकृत भाषाएं प्राप्त है। हम अपनी मातृभाषा से सीखते और समझते हैं। हम अपनी मातृभाषा के माध्यम से ही आंतरिक व्यक्तित्व का विकास करते हैं। हमसब भारत राष्ट्र के नागरिक हैं. हमें अपनी अनेक क्षेत्रीय मातृभाषाओं से सभी के लिए एक भाषा विकसित करनी होगी। हिंदी भारत के उत्तरी भागों में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। उपलब्ध आंकड़ो के अनुसार लगभग 54 प्रतिशत भारतीय आबादी ने घोषणा की कि वे पहली या दूसरी भाषा के रूप में हिंदी बोलते हैं। सांवैधानिक रूप से 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को भारत गणराज्य की राजभाषा के रूप में अपनाया गया। हिंदी बहुत ही सरल और मधुर भाषा है। आइए हमसब मिलकर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में विकसित करें। हमारे प्रधानमंत्री जी का दृष्टिकोण भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाना है. आइए हम किसी अंतर्क्षेत्रीय संचार के लिए किसी विदेशी भाषा पर निर्भर न रहें। हिंदी एक विकासशील भाषा है। हम अपनी क्षेत्रीय भाषाओं के मदद से हिंदी को समृद्ध बनाए ताकि भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले हम भारतवासी हिंदी को अपनी भाषा के रूप में महसूस करें।

किसी भी अग्रणी उद्यम के लिए एफ ए सी टी हमेशा सबसे आगे रहता है। हम सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों/केंद्र सरकार के अन्य क्षेत्र अथवा विशेष रूप से एफ ए सी टी के कर्मचारियों द्वारा हिंदी को समृद्ध बनाने और इसे अपने आधिकारिक संचार का माध्यम बनाने के इस प्रयास में सबसे आगे होना चाहिए। आइए हमसब मिलकर यह संकल्प लें कि एक दिन हम अपने देश में जहां कहीं भी जाएंगे, हम केवल हिंदी भाषा के माध्यम से लोगों को जोड़ने में सक्षम होंगे।

जय हिंद, जय हिंदी।

पंचानन पोद्दार
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

2021-22 वित्तीय वर्ष के हर तिमाही के अंतराल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हमारे कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा की अध्यक्षता में आयोजित किए जाते हैं। बैठकों में सदस्य गण के रूप में निदेशक गण यानी निदेशक (विपणन) श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (वित्त) श्री एस. शक्तिमणि, निदेशक (तकनीकी) श्री केशवन नंपूरी, विभिन्न संभागों के संभाग मुख्य एवं विभाग मुख्य भी उपस्थित किए जाते हैं। सभी बैठकों में बैठक की कार्यसूची श्री पंचानन पोद्दार, उप महाप्रबंधक पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। बैठक में हर तिमाही के हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हैं, वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार कंपनी में राजभाषा हिंदी के उत्तम कार्यान्वयन के लिए अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा दिशा-निर्देश एवं सुझाव भी दिए जाते हैं।

दिनांक 24 मार्च 2022 को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री किशोर रुंग्टा की अध्यक्षता में निगम कार्यालय के बोर्ड रूम में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का दृश्य।

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भागीदारी

दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन दिनांक 4 दिसंबर 2021 को हैदराबाद के डॉ होमी भाभा कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम में आयोजित किया। सम्मेलन में दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के प्रतिनिधियों एवं सदस्य कार्यालयों के सदस्य गण ने भी भाग लिया। कोच्ची नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के लिए भी पुरस्कार हुआ था। एफ ए सी टी की ओर से श्रीमती शीला के. एस., वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी) ने इसमें भाग लिया।

कोच्ची नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की ट्रोफी एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद सचिव श्रीमती एम सी शीला सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों समेत।

51 वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह - 2022

एफ ए सी टी के उद्योगमंडल कॉमप्लेक्स में 51वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह-2022 को धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह के संबंध में एफ ए सी टी- यू सी के विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा संदेश और बैनर प्रदर्शित किए गए। कर्मचारियों और संविदा कर्मियों को इससे परिचित कराने के लिए अमोनिया कॉम्प्लेक्स के प्रवेश द्वार पर आग एवं सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसके अलावा नियमित कर्मचारियों, संविदा कर्मियों और सी एल आर वालों के लिए विभिन्न सुरक्षा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में सुरक्षा निबंध लेखन, लघु कहानी लेखन, सुरक्षा कविता, सुरक्षा स्लोगन, सुरक्षा पोस्टर, ऑनलाइन सुरक्षा प्रश्नोतरी, संविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आदि शामिल थे। 9 मार्च 2022 को अमोनिया कॉम्प्लेक्स में समापन समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह का शुभारंभ मुख्य अथिति श्री नितीश देवराज, वरिष्ठ निरीक्षक, एर्नाकुलम, फेक्ट्रीज एण्ड बॉयलर विभाग, केरल द्वारा ध्वजारोहण समारोह के साथ 10.30 बजे किया गया। हमारे कंपनी के माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय श्री किशोर रुंग्टा जी ने इसकी अध्यक्षता की। श्री आर मणिक्कुट्टन, मुख्य महाप्रबंधक (यू सी) ने सभाओं का स्वागत किया। श्री के बी जयराज, महाप्रबंधक (तकनीकी) यू सी ने सुरक्षा शपथ दिलाई। श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक(वित्त), श्री ए एस केशवन, निदेशक (तकनीकी) और सुरक्षा समिति के ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने सभा को संबोधित किया। श्री रियास मूप्पन ओ एम, वरिष्ठ प्रबंधक (आग एवं सुरक्षा) यू सी ने वर्ष 2021 के लिए एफ ए सी टी-यूसी में सुरक्षा और स्वास्थ्य निगरानी पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अथिति ने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह के संबंध में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। श्री सजो के एफ, महाप्रबंधक (उत्पादन) पेट्रो यू सी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। 11.45 बजे समारोह का समापन किया गया।

शब्दों की महत्ता

दिनांक 22.03.2022 को राज्य कार्यालय तमिलनाडु द्वारा चैन्नई में विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में राज्य भर से 40 अग्रणी विक्रेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य मुख्यतः साल के अंत में बिक्री को बढाना तथा एक निश्चित लक्ष्य को प्राप्त करना था। सम्मेलन के उद्घाटन में हमारे कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय उपस्थित थे। साथ ही श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस मुरलीकृष्णन, महाप्रबंधक (विपणन) आदि वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे। राज्य कार्यालय एवं आंचलिक कार्यालय के अधिकारियों ने इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए काफी विस्तृत मसौदा तैयार किया था। समय के अनुसार

सम्मेलन आरंभ की गई। अध्यक्ष महोदय द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष जी ने अपने विचार रखे तथा विक्रेताओं को संबोधित करते हुए उन्होने कंपनी के भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला और विक्रेताओं से कंपनी से जुड़े रहने का आहवान किया।

कार्यक्रम के दौरान निदेशक (विपणन) एवं महाप्रबंधक (विपणन) तथा उपस्थित विक्रेताओं ने भी अपने विचार रखे। उनकी कुछ मांगे थी जिसपर कंपनी के अधिकारियों द्वारा विचार करने का आश्वासन दिया गया। इस तरह के कार्यक्रम के दौरान विक्रेताओं को डिलर कह कर संबोधित किया जाता है। अध्यक्ष महोदय द्वारा बदलाव लाते हुए इस बार उन्हें बिजनेस पार्टनर कह कर संबोधित किया गया। इस संबोधन ने विक्रेताओं पर एक गहरी छाप छोडी। शायद पहली बार किसी कंपनी के अध्यक्ष ने अपने विक्रेताओं को इस तरह से संबोधित किया था। समस्त विक्रेतागण इस सम्मानजनक शब्द और संबोधन से अभिभूत हो गए। उन्होनें इसकी कल्पना भी नहीं की थी। अध्यक्ष महोदय इस सम्मेलन में जैसे एक समा बांध कर चले गए। इस विषय की चर्चा राज्य में काफी दिनों तक होती रही। विक्रेतागण इस सम्मेलन में बिजनस पार्टनर के बारे में राज्य के अन्य विक्रेताओं को बता रहे थे। बात अन्य कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों तक भी पहुंची। इस एक शब्द ने एफ ए सी टी कंपनी को तमिलनाडु के उर्वरक विक्रेताओं के और करीब ले गया। एफ ए सी टी के उर्वरक राज्य में काफी लोकप्रिय है। किसानों की पहली पसंद एवं सबसे ज्यादा बिकने वाली मिश्रित उर्वरक है। वर्ष 2021-22 में कंपनी ने काफी अच्छा निष्पादन किया है। मार्च 2022 की चेन्नई विक्रेता सम्मेलन और उसमें उपयोग किए गए एक शब्द एफ ए सी टी कंपनी और तमिलनाडु के उर्वरक विक्रेताओं के बीच के रिश्ते को और भी मजबूत करेगा। आने वाले समय में कंपनी निसंदेह तमिलनाडु में और भी मौके तलाश करेगी और एक नई उंचाई की ओर अग्रसर होगी।

हम अपने जीवन में काफी लोगों से मिलते रहते हैं। विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हैं लंबी लंबी व्याख्यान सुनते हैं। अंत में उन सब का सार ही हमारे मन मस्तिष्क में छाया रहता है जो की काफी समय तक हमें प्रभावित करता है। हालांकि ऐसी वाक्य हम सभी को एक बहुत बडा सबक भी दे जाता है। हम कही भी हो, किसी भी कार्य से जुड़े हो और कितना भी ऊंचे पद पर आसीन हो, अपने आसपास के लोगों को उचित सम्मान देना बहुत जरूरी है। हालांकि वो शब्द विक्रेताओं के लिए था लेकिन कंपनी के अधिकारियों के लिए भी एक बडा संदेश था। शायद मार्च 2022 की वो सामान्य दिखने वाली घटना भी जीवन के कुछ ऐसे क्षण होंगे। इस बात का प्रमाण तो हमें भविष्य में ही देखने को मिलेगा।

उर्वरक आवेदन जागरूकता कार्यक्रम और किसानों के लिए मच्छरदानी वितरण

कर्नाटक राज्य ने 12.08.2021 को बल्लारी जिले कर्नाटक के कुरूगोडु तालुक के सिद्दमनहल्ली गांव में उर्वरक अनुप्रयोग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें आजादी का अमृत महोत्सव और किसानों को मच्छरदानी का वितरण एफ ए सी टी की सी एस आर पहल के तहत बांटी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विद्या, चिकित्सा अधिकारी, पी एच सी, सिद्दधमनल्ली ने की और उद्घाटन श्री जनार्दन भट्ट, स म प्र, एफ ए सी टी, बल्लारी ने अन्य प्रतिनिधियों के साथ दीप प्रज्जवलित कर किया। मंच पर उपस्थित अन्य अतिथि श्रीमती वीणा, मुख्य

फार्मासिस्ट, पी एच सी, सिद्धमनल्ली, श्री देवराज, कृषि अधिकारी, कुरगोड मौजूद थे।

समारोह पूर्वाह्न11.30 बजे शुरू हुआ। सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत रवींद्र, उपायुक्त ने किया। श्री जनार्दन भट्ट, स म प्र, बल्लारी ने कंपनी के बारे में बताया कि कंपनी कैसे विकसित हुई, इसकी वृद्धि, मार्ग और उर्वरकों के प्रभावी उपयोग के बारे में भी प्रस्तुत किया। मिट्टी की आवश्यकता - एफ ए सी टी द्वारा प्रस्तुत मुफ्त मिट्टी के नमूने का विश्लेषण, एफ ए सी टी उत्पादों और इसकी प्रभावकारिता के बारे में और किसानों को एफ ए सी टी जैव उर्वरकों, जैविक खाद और इसके उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ विद्या, चिकित्सा अधिकारी, पी एच सी, सिद्धमनहल्ली

औषधीय मच्छरदानी के महत्व और इसके उपयोग, मच्छरों के कारण होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य बीमारियों के बारे में सभा को संबोधित किया और इस महामारी के दौरान व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के बारे में किसानों/कृषि महिलाओं को शिक्षित किया और उन्होनें इस तरह के सुंदर आयोजन के लिए सिद्धमनल्ली गांव का चयन करने और इस तरह के कार्यक्रम के लिए एफ ए सी टी सराहना की।

श्री देवराज, कृषि अधिकारी, कुर्गोडु

उन्होनें प्रमख फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और इसके महत्व पर व्याख्यान दिया। आई एन एम पर जोर देते हुए किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त करने के लिए जोर दिया। उन्होनें किसानों को उर्वरकों के विवेकपूर्ण और संतुलित उपयोग करने के बारे में भी संबोधित किया। तकनीकी सत्र के बाद किसानों/खेती करने वाली महिलाओं के बीच मच्छरदानी वितरीत की गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ सभी प्रतिभागियों द्वारा एकजुट होकर किया गया।

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

दिनांक 29.09.2021,बुधवार को कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, श्री किशोर रूंग्टा जी की उपस्थिति में एफ ए सी ट ी के उद्योगमंडल सम्मेलन कक्ष में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कोचीन पोर्ट ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक अधिकारी, डॉ एम बीना महोदया मौजूद रहीं। अन्य शीर्ष अधिकारियों में श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक(वित्त), श्री ए एस केशवन नंपूथरी, निदेशक (तकनीकी) सहित अन्य उप महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधकगण मौजूद रहें। समारोह की शुरूवात श्री आटूर नवीन, सहायक प्रबंधक (त से), यू सी द्वारा प्रार्थना गीत के साथ किया गया। स्वागत भाषण के रूप में श्री पंचानन पोद्दार, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सबका स्वागत किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, श्री किशोर रूंग्टा जी ने अपनी अध्यक्षीय भाषण में कंपनी के निष्पादन की स्थिति को बताते हुए विश्वभर में हिंदी के महत्व के साथ हिंदी के कुछ प्रसिद्ध उद्धरण पर अपनी भाषण समाप्त की। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती डॉ एम बीना महोदया ने कोच्ची पोर्ट ट्रस्ट के साथ एफ ए सी टी के मजबूत संबंधों पर विचार प्रकट करते हुए साथ में गैर-हिंदी भाषी व्यक्तियों को हिंदी से प्रेम करने की प्रेरणा दी। समारोह में आशीर्वाद भाषण के रूप में श्री अनुपम मिश्रा जी ने राजभाषा हिंदी के महत्व एवं प्रयोगों पर अपनी बात रखी। इसके उपरांत श्री एस शक्तिमणि, निदेशक (वित्त) ने भी अपनी विचार प्रकट की। आशीर्वाद भाषण के बाद हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित अनेक प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी एवं विजेताओं को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय एवं मुख्य अथिति के द्वारा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन श्रीमती शीला के एस, वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी) द्वारा किया गया। अंत में श्री विकास भकत, अधिकारी (हिंदी) के द्वारा कृतज्ञता भाषण के साथ समारोह समाप्त की गई।

पुरस्कार वितरण

हिंदी के प्रमुख कवि

हाजारी प्रसाद द्विवेदी

हाजारी प्रसाद द्विवेदी (19 अगस्त 1907-19 मई1979) एक प्रसिद्ध हिंदी निबंधकार, आलोचक और उपन्यासकार थे। वे हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और बंग्ला भाषाओं के विद्वान थे। सन् 1957 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म 19 अगस्त 1907 ई को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री अनमोल द्विवेदी और माता का नाम श्रीमती ज्योतिष्मति था। इनका परिवार ज्योतिष विद्या के लिए प्रसिद्ध था।द्विवेदी जी की प्रारंभिक शिक्षा गांव के स्कूल में ही हुई। इसके बाद उन्होनें पराशर ब्रह्मचर्य आश्रम में संस्कृत का अध्ययन आरंभ 1927 में उन्होनें काशी हिंदू विश्वविधालय से हाईस्कूल की परीक्षा उतीर्ण की। उसी वर्ष भगवती देवी से उनका विवाह संपन्न हुआ।

द्विवेदी जी का व्यक्तित्व बडा प्रभावशाली और उनका स्वभाव बडा सरल और उदार था। 8 नवंबर 1930 से द्विवेदी जी ने शांति निकेतन में हिंदी का अध्यापन प्रारंभ किया। वहाँ गुरूदेव रवींद्रनाथ ठाकुर तथा आचार्य क्षितिमोहन सेन के प्रभाव से साहित्य का गहन अध्ययन किया तथा अपना स्वतंत्र लेखन भी व्यवस्थित रूप से आरंभ किया। बीस वर्षों तक शातिनिकेतन में अध्यापन के उपरांत द्विवेदी जी ने जुलाई 1950 में काशी हिंदू विश्वविधालय के हिंदी विभाग में प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। 1957 में राष्ट्रपति द्वारा पदमभूषण की उपाधि से सम्मानित किये गये। प्रतिद्वंदियों के विरोध के चलते मई 1960 में द्विवेदीजी काशी हिंदू विश्वविधालय से निष्कासित कर दिये गये। जुलाई 1960 से पंजाब विश्वविधालय, चंडीगढ में हिंदी विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष रहे। अक्टूबर 1967 में पुनः काशी हिंदू विश्वविधालय में विभागाध्यक्ष होकर लौटे। कालांतर में उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष तथा 1972 से आजीवन उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के उपाध्यक्ष पद पर रहे। 1973 में आलोक पर्व निबंध संग्रह के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 4 फरवरी 1979 को पक्षाघात के शिकार हुए और 19 मई 1979 को ब्रेन ट्यूमर से दिल्ली में उनका निधन हो गया।

हजारी प्रसाद द्विवेदी जी की प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं -

सूर साहित्य(1936), हिंदी साहित्य की भूमिका(1940), प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद(1952), कबीर(1942), हिंदी साहित्य का आदिकाल(1952), आधुनिक हिंदी साहित्य पर विचार (1949), साहित्य का मर्म(1949), हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास(1952), सहज साधना(1963), अशोक के फूल(1948), कल्पलता(1951), विचार और वितर्क(1957), कुटज(1964), आलोक पर्व, विश के दंत, कल्पतरू, नाखून क्यों बढते हैं, देवदारू, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारू चंद्रलेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा।

एम के के नायर को श्रद्धांजली अर्पण

एफ ए सी टी ने अपने पहले अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एम के के नायर को उनके 101वें जन्मदिन पर याद किया। श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक (वित्त), श्री ए एस केशवन नंपूरी, निदेशक (तकनीकी), श्री के वी बालकृष्णन नायर, कंपनी सचिव और कार्यपालक निदेशक (वित्त), श्री अजित कुमार टी पी, कार्यपालक निदेशक (पी सी) और एफ ए सी टी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण ने उद्योगमंडल में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण किया।

एफ ए सी टी ने 2021-22 को प्रचालन से उच्चतम प्रचालन लाभ और राजस्व का रिकॉर्ड हासिल किया।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, एफ ए सी टी ने वर्ष 2020-21 के दौरान क्रमशः 350 करोड रुपए एवं 595 करोड रुपए की तुलना में 353 करोड रुपए का प्रचालन लाभ और पी बी आई टी 598 करोड रुपए हासिल किया है। वर्ष के दौरान कंपनी ने पिछले वर्ष के 3259 करोड रुपए की तुलना में 4425 करोड रुपए का पण्यावर्त प्राप्त किया है।

वर्ष की मुख्य विशेषताएँः

- प्रचालन से सर्वकालीन उच्च राजस्व - 4425 करोड रुपए
- 8.27 लाख मी ट का फेक्टमफोस(एन पी 20 20 0 13) उत्पादन
- 1.37 लाख मी ट का अमोनियम सल्फेट उत्पादन
- 20835 मी ट के आसपास केप्रोलेक्टम उत्पादन
- लगातार दो वर्षों में उर्वरक बिक्री 1 मिलियन मी ट को पार कर गई है (फेक्टमफोस 8.32 लाख मी ट, अमोनियम सल्फेट 1.45 लाख मी ट और एम ओ पी 0.29 लाख मीट)
- 20701 मी ट केप्रोलेक्टम बिक्री
- 3 साल में जिप्सम की बिक्री 3.95 लाख मीट्रिक टन है।
- जिप्सम की 406375 मी ट का वार्षिक क्रय आदेश बिक्री के लिए प्राप्त हुआ।
- 11,937 मी ट अमोनिया का सर्वकालीन उच्च बिक्री
- कंपनी को वित्तीय वर्ष 2022-23 में भी उत्पादन और विपणन में वृद्धि जारी रखने की प्रतीक्षा है।

एफ ए सी टी बैंगलूरु आंचलिक कार्यालय में संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति का राजभाषा निरीक्षण

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति ने दिनांक 30.12.2021 को एफ ए सी टी के बैंगलूरु आंचलिक कार्यालय के कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति की जाँच की। होटल शंग्रीला, बैंगलूरु में आयोजित निरीक्षण बैठक में श्री राम चन्द्र जांगडा, सांसद सदस्य, संयोजक ने बैठक की अध्यक्षता की। श्री श्याम सिंह यादव, श्री अशोक कुमार यादव, श्री ईरान्ना कडाडी आदि सांसद सदस्यों के साथ समिति सचिवालय से श्री रामेश्वर लाल मीना, अवर सचिव एवं अन्य अधिकारी गण बैठक में उपस्थित हुए। मंत्रालय की ओर से श्री निरंजन लाल, निदेशक (उपक्रम) और डी पी मिश्रा, परामर्शदाता(राजभाषा), उर्वरक मंत्रालय इस बैठक में उपस्थित हुए।

एफ ए सी टी की ओर से हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा, बेंगलूरु आंचलिक कार्यालय के कार्यालय प्रमुख श्री के आर राव, उप महाप्रबंधक (कर्नाटक), श्री के एन वेंकटेशा, सहायक महाप्रबंधक (बेंगलूरु), श्री पंचानन पोद्दार, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) और श्रीमती शीला के एस., वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी) आदि बैठक में उपस्थित हुए थे।

बैठक में माननीय संसदीय समिति ने बेंगलूरु आंचलिक कार्यालय के कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति संबंधी कार्य की चर्चा की। समिति ने कार्यालय के कामकाज में हिंदी में किए जा रहे कार्य की प्रतिशतता बढाई जाए और हिंदी पत्राचार की संख्या बढाने के लिए निदेश दिया। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा ने राजभाषा विभाग द्वारा निर्देशित वार्षिक कार्यक्रम के सभी शेष लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए अपना सहमत व्यक्त किया।

बैठक में कंपनी के बारे में और कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन के बारे में उप महाप्रबंधक श्री पंचानन पोद्दार ने पी पी टी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के साथ-साथ एक राजभाषा प्रदर्शिनी का भी प्रबंध किया था। इस में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए एफ ए सी टी द्वारा किए गए कार्यों को दर्शाया गया। समिति के सदस्यों ने इस पर अपनी संतुष्टिव्यक्त की।

एफ ए सी टी आंचलिक कार्यालय के अलावा बेंगलूरु में स्थित इलेक्ट्रोनिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, बी ई एम एल, भारतीय खेल प्राधिकरण, भारतीय विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टि लाइज़र्स लिमिटेड, कंपनी पंजीयक का कार्यालय, भारतीय प्रबंध संस्थान, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड आदि दस कार्यालयों का भी समिति द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हर कार्यालय द्वारा अपना कार्यालयीन कार्य से संबंधी राजभाषा प्रदर्शनी भी की थी।

होटल शंग्रीला में आयोजित संसदीय राजभाषा समिति की बैठक का दृश्य

एफ ए सी टी द्वारा तैयार किए प्रदर्शनी सांसद द्वारा निरीक्षण करते हुए।

संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष रामचंद्र जांगडा को उप महा प्रबंधक(राजभाषा) श्री पं पोद्दार द्वारा गुलदस्ता देकर सम्मानित करते हुए

फेक्ट टीम राजभाषा संबंधी आश्वासन संसदीय समिति से स्वीकार करते हुए

प्रदर्शनी के निरीक्षण के दौरान सांसद सदस्य के साथ डी पी मिश्रा, परामर्शदाता(राजभाषा), उर्वरक मंत्रालय।

एफ ए सी टी हैदराबाद एवं बेंगलूरु आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा निरीक्षण

वर्ष 2021-22 के दौरान हमारे निम्नलिखित राज्य एवं आंचलिक कार्यालयों का निरीक्षण किया गया -

- हैदराबाद राज्य एवं आंचलिक कार्यालय
- बेंगलूरु राज एवा आंचलिक कार्यालय

दिनांक 3 दिसंबर, 2021 को हमारे हैदराबाद राज्य एवं आंचलिक कार्यालय में विभागीय राजभाषा निरीक्षण आयोजित किया। कार्यालय के सभी रजिस्टरों, रिकार्डों, रबड की मोहरें, सील, विसिटिंग कार्ड, नामपट्ट आदि को राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी नियमों के अनुसार जाँच की। निरीक्षण के दौरान उप महाप्रबंधक श्री सी राजेश बाबु की अध्यक्षता में शाखा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया। बैठक में श्री सुरेश कुमार रेड्डी, सहायक महाप्रबंधक भी उपस्थित हुआ था। बैठक के बाद कार्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए एक हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

शाखा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में संघ की राजभाषा नीति एवं राजभाषा नियम के अनुपालन में पाई गई कमियों को मिटाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को उन्हें समझाया। कार्यशालाओं में हिंदी में काम करने के लिए तथा पत्र लिखने के लिए उनको अवगत कराया। इन कार्यालयों के सभी कंप्यूटरों में यूनिकोड फोंड सक्रिय करके कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने के लिए पूरी तरह से प्रेरणा दी।

बेंगलूरु राज्य एवं आंचलिक कार्यालय

हैदराबाद राज्य एवं आंचलिक कार्यालय

महात्मा गांधी

" अगर हिन्दुस्तान को सचमुच आगे बढ़ना है, तो चाहे कोई माने या न माने, राष्ट्रभाषा तोहिंदी ही बन सकती है, क्योंकि जो स्थान हिंदी को प्राप्त है, वह किसी और भाषा को नहीं मिल सकता."

स्वामी दयानंद सरस्वती

" हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है."

एफ ए सी टी कोचीन संभाग एवं बेंगलूरु आंचलिक कार्यालय में राजभाषा कार्यशाला

गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार भारत सरकार द्वारा बनाए गए विभिन्न नियमों, अधिनियमों और राजभाषा हिंदी के अन्य प्रावधानों के बारे में जागरूकता प्रदान करने के लिए तथा कर्मचारियों को हिंदी में काम करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए हम कंपनी के विभिन्न संभागों में हिंदी कार्यशाला का आयोजन करते हैं। दिनांक 3 मार्च 2022 को कंपनी के कोचीन संभाग में और दिनांक 29 मई 2022 को कंपनी के बेंगलूरु आंचलिक कार्यालय में हमने राजभाषा कार्यशाला आयोजित किया। कार्यशालाओं में फाइलों पर टिप्पणियाँ लिखना, हिंदी में पत्राचार करना, राजभाषा नियम, अधिनियम एवं प्रावधानों पर जानकारी देना आदि कई कार्यों पर उनको जानकारी प्रदान कर दिया।

कोचीन संभाग में कार्यशाला के अंत में भागीदारों को हिंदी के प्रति रुचि पैदा करने के लिए क्लास में लिए गए कार्यों के आधार पर तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। विजेताओं को कोचीन संभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्री पी जे बिन्नी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया।

कोचीन संभाग में आयोजित कार्यशाला

बेंगलूरु आंचलिक कार्यालय में आयोजित कार्यशाला

मुख्य महाप्रबंधक(सीडी) पी जे बिन्नी द्वारा पुरस्कार वितरण

एफ ए सी टी चेन्नै कार्यालय में मंत्रालय द्वारा राजभाषा निरीक्षण

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2022-23 में निर्धारित किए गए लक्ष्यों के अनुसार राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति का जायजा लेने के लिए श्री डी पी मिश्रा, परामर्शदाता (राजभाषा) ने दिनांक 20 मई, 2022 को हमारे कंपनी के चेन्नै में स्थित राज्य एवं आंचलिक कार्यालय में राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण बैठक में एफ ए सी टी की ओर से चेन्नै राज्य कार्यालय के कार्यालय मुख्य श्री जीतेंद्रकुमार, उप महाप्रबंधक (तमिलनाडु) आंचलिक कार्यालय के कार्यालय प्रमुख श्री जी. कुमार, सहायक प्रबंधक एवं बैठक के सुचारू संचालन के लिए श्रीमती शीला के. एस., वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी) भी उपस्थित हुए।

निरीक्षण के दौरान चेन्नै कार्यालय के राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति को जाँच किया। कार्यालय के सभी रजिस्टरों, रिकार्डों, रबड की मोहरें, सील, विसिटिंग कार्ड, नामपट्ट आदि को जाँच की। कमियों को हटाने के लिए एवं राजभाषा नियमों को सुनिश्चित करन के लिए समय समय पर आवश्यक मार्गनिर्देश भी दिया गया।

एफ ए सी टी के चेन्नै कार्यालय के अलावा चेन्नै में स्थित आर सी एफ एवं पी डी आई एल आदि का भी निरीक्षण किया गया।

दिनांक 21 मई, 2022 को संयुक्त सचिव, सुश्री अपर्णा एस. शर्मा की उपस्थिति में एफ ए सी टी, आर सी एफ एवं पी डी आई एल के अधिकारियों को मिलकर एक निरीक्षण संबंधी गतिविधियों के संबंध में एक समीक्षा बैठक चलाई गईं। बैठक में श्री डी पी मिश्रा, परामर्शदाता (राजभाषा) ने तीन कंपनियों के निरीक्षण संबंधी रिपोर्ट विस्तृत रूप से उनको अवगत कराया। संयुक्त सचिव ने सभी कार्यालयों के कर्मचारियों के बीच में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए जागरूक देने को एवं भारत सरकार द्वारा दिए गए मार्गनिर्देशों के अनुसार राजभाषा उत्तम रूप से कार्यान्वयन करने के लिए अनुदेश भी दिया।

एफ ए सी टी को साउथ इंडिया बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्डस 2021

SOUTH INDIA
BEST EMPLOYER BRAND AWARDS 2021.
Presented to
FACT
प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS
The Fertilisers and Chemicals Travancore Limited

एफ ए सी टी को 26 अक्टूबर, 2021 को बैंगलुरू में आयोजित एशिया पैसिफिक एच आर एम कांग्रेस में (साउथ इंडिया बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्डस 2021) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार एफ ए सी टी की ओर से श्री किशोर रूंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और श्री ए आर मोहन कुमार, मु म प्र(मा सं एवं प्रशा) द्वारा प्राप्त किया गया।

हरियाणा एक नज़र

विकास शर्मा
तकनीशियन (विद्युत)

प्रस्तावना

हरियाणा उत्तर भारत में स्थित एक स्थलरुद्ध राज्य है। राज्य की सीमायें उत्तर में पंजाब और हिमाचल प्रदेश, तथा दक्षिण एवं पश्चिम में राजस्थान से जुडी हुई है। उत्तर प्रदेश राज्य के साथ इसकी पूर्वी सीमा को यमुना नदी परिभाषित करती है। हरियाणा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को भी तीन ओर से घेरता है। राज्य का क्षेत्रफल 44212 वर्ग कि मी है जो देश के कुल भौगलिक क्षेत्रफल का 1.4 प्रतिशत है और इस प्रकार क्षेत्रफल के आधार पर यह भारत का बीसवां सबसे बडा राज्य है। सिंधु घाटी जितनी पुरानी कई सभ्यताओं के अवशेष सरस्वती नदी के किनारे पाए गए हैं। जिनमें औरंगाबाद और मिट्टाथल भिवानी में कुणाल, फतेहाबाद में, अग्रोहा और राखीगढी हिसार में, रूखी रोहतक में और बनवाली

फतेहाबाद जिले में प्रमुख है। विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा दिल्ली पर अधिकार के लिए अधिकतर युद्ध परियाणा की धरती पर ही लडे गए। तरावडी के युद्ध के अतिरिक्त पानीपत के मैदान में भी तीन युद्ध ऐसे लडे गए जिन्होनें भारत के इतिहास की दिशा ही बदल दी। ब्रिटिश से मुक्ति पाने के आंदोलनों में हरियाणा वासियों ने भी बढ चढ कर हिस्सा लिया। रेवाडी के राजा राव तुला राम का नाम 1857 के संग्राम में योगदान दिया।

भाषाए

हिंदी 2020 तक हरियाणा की एकमात्र आधिकारिक भाषा थी और राज्य की अधिकांश आबादी द्वारा बोली भी जाती है। हरियाणा में 70 प्रतिशत ग्रामीण आबादी है जो मुख्य रूप से हिंदी की हरियाणवी बोली बोलती है। हरियाणा में ब्रज भी लोकप्रिय है जो पलवल जिला और गुरूग्राम जिला में प्रमुखता से बोली जाती है। साथ ही साथ अन्य संबंधित बोलियां भी, जैसे बागरी और मेवाती भी बोली जाती है।

कृषि के क्षेत्र में एक नजर

हरियाणा परंपरागत रूप से एक कृषि प्रधान रहा है। 1960 के दशक में हरियाणा में हरित क्रांति के आगमन और फिर 1963 में भाखडा बांध और 1970 के दशक में पश्चिमी यमुना कमांड नेट वर्क नहर प्रणाली के पूरा होने के परिणामस्वरूप हरियाणा में खाद्य अनाज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हरियाणा दुग्ध के लिए भी जाना जाता है। राज्य में मवेशियों की कई नस्लें पाई जाती है, जिनमें मुर्रा भेंस, हरियाणवी, मेवाती, साहिवाल और नीलि-रवि इत्यादि प्रमुख हैं। कृषि आधारित हरियाणा की अर्थव्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए केन्द्र सरकार (केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, बफेलो, केंद्रीय भेड प्रजनन फॉर्म, इक्विनेस पर राष्ट्रीय शोध केंद्र, मत्स्य पालन संस्थान, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान आदि) और राज्य सरकार (सी सी एस एच ए यू, लुवास, सरकारी पशुधन फार्म, क्षेत्रीय चारा स्टेशन और उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान) ने कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा के लिए कई संस्थान राज्य में खोले हैं।

खेल के क्षेत्र में एक नजर

देश की कुल आबादी में हरियाणा की हिस्सेदारी महज दो फीसदी है। खेल के क्षेत्र में हरियाणा का मुकाबला करने वाला देश में कोई और राज्य नहीं है। हर खेल में यहाँ के खिलाडी कमाल कर रहे हैं। हरियाणा में कुश्ती, मुक्केबाजी, हॉकी व कबड्डी के बाद अब

निशानेबाजी, टेनिस, एथलेटिक्स के खिलाडियों की पौध तैयार की जा रही है। हरियाणा के तीन खिलाडी नीरज चोपडा ने स्वर्ण, रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता। हॉकी के कांस्य में भी हरियाणा की हिस्सेदारी है। इस तरह ट ोक्यो औलंपिक में भारत की झोली में आए कुल पदक में से 50 फीसदी हरियाणा के खिलाडियों ने जीता।

हरियाणा एक पर्यटन केंद्र

हरियाणा पर्यटन की दृष्टी से काफी समृद्ध है और यहाँ पर देखने के लिए कई मनमोहक नजारे और स्थान है। सांस्कृतिक रूप से भी हरियाणा काफी समृद्ध है। कई स्थानों का इतिहास वैदिक काल से मिलता है और जिसका उल्लेख हिंदू पौराणिक कथाओं में भी

है। इन स्थानों में करनाल, कुरूक्षेत्र, चंडीगढ, गुरूग्राम, हिसार, पानीपत, फरीदाबाद, सोनीपत आदि है। यहां पूरे वर्ष भारत के कोने कोने से लोग पर्यटन का आनंद उठाने आते हैं।

आशा करता हूँ मेरे आलेख से आपलोग को हरियाणा के बारे में मोटी मोटी जानकारी मिल गई होगी। यह न केवल एक राज्य के रूप में बल्कि एक धरोहर के रूप में देख सकते हैं। यहां की हवा, मौसम एवं मिट्टी में अलग ही किस्म की जादू है जो सबको अपनी ओर खींचती है।

नए संयंत्र की स्थापना के लिए भूमि पूजन

एफ ए सी टी के कोचीन संभाग, अंबलमेड में 1650 दैनिक क्षमता वाला नए संयंत्र की स्थापना के लिए भूमि पूजा हमारे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक महोदय श्री किशोर रूंग्टा जी द्वारा 19 जुलाई, 2022 को की गई थी। संयंत्र का निर्माण मेसर्स नुबर्ग इंजीनियरिंग लिमिटेड, दिल्ली द्वारा किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह-2022

योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोङने का काम होता है। योग शब्द तथा इसकी प्रक्रिया और धारणा हिंदू धर्म, जैन धर्म और बौद्ध धर्म में ध्यान प्रक्रिया से संबंधित है। सिद्धि के बाद पहली बार 14 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में घोषित किया। योग करने से हमारे जीवन में कई लाभ होते हैं। योग से स्वास्थ्य में सुधार लाता है, मानसिक शक्ति प्रदान करता है, शारीरिक शक्ति में सुधार करता है चोट से रक्षा करता है, शरीर को विषैले पदार्थों से मुक्त करता है। योग के विशेषताओं को देखते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे कंपनी मेंअंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2022 का आयोजन किया गया। यह समारोह कंपनी के एम के के नायर मेमोरियल हॉल, उद्योगमंडल में आयोजित किया गया। इस समारोह में कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, श्री किशोर रूंग्टा, श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विप), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक(वित्त), श्री ए एस केशवन नंपूरी, निदेशक(तक) सहित कें औ सु ब के कर्मी एवं अन्य महाप्रबंधक और प्रबंधकगण मौजूद थे। इस समारोह में विशेषज्ञ के रूप में श्री रोहित, योग अनुदेशक, इशा योग मौजूद थे। समारोह का समापन एक नई उमंग और ऊर्जावान जीवनशैली के साथ समाप्त किया गया।

कविताएँ

साँस मिली सागर से....

सोचती हूँ मैं अभी
यह हो गई कैसे
यह जिंदगी है मेरी
पर गहराई जैसी तेरी
न अंत है लहरों की,
जैसी मेरी यात्रा की
प्यासी है वह पानी का
जैसे मेरे दिल प्यार का
लगता है दूर है
पर असल में पास है।
सिखाती है यह नई तरीका
प्यार भरकर पूछने का
क्योंकि वही है एक निपटारा
बिना दर्द से भूलने का।
सुंदर है यह सागर
मगर कोई जाता नहीं अंदर
लगता है मेरी सफर
पूरी होगी उधर
इसलिए मेरी साँस मिली सागर से....

इवा रिया रेगी
स्नातक प्रशिक्षु

चाँद

बहुत दूर है खडा
फिर भी पास हो तुम
राह की तुलना में नहीं
रोशनी की महक हो तुम।

तारे चमकते है नभ में
इधर- उधर चारो ओर
है अनगिनत फिर भी
है अधूरा तुम बिन।

बच्चे पकडना चाहे तुझे
पहुँचना चाहे तुझ तक
तुम हो सबकी मंजिल
तुम हो सबकी रोशनी।

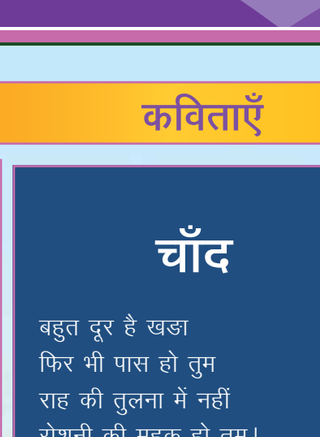

अथिरा
स्नातक प्रशिक्षु

तुलसी

घर के बीच लगाई तुलसी
है सबको सुखदाई तुलसी
सब इसकी है पूजा करते
इसके पत्ते मुंह में धरते।

वृंदावन की बाला तुलसी
भक्तों की है माला तुलसी
बढ जाती है डाली डाली
तब लगती फूलों की बाली।

सबके ज्वर को हरती तुलसी
बहुत बडा गुण रखखती तुलसी
ठाकुर जी का प्यारी तुलसी
सबसे पूज्य हमारी तुलसी।

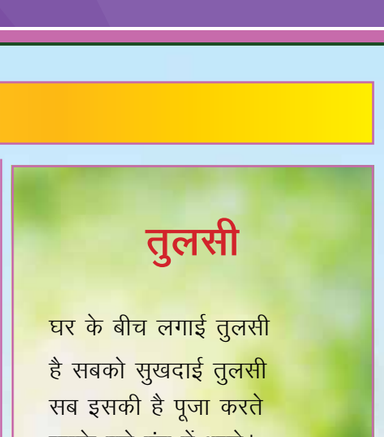

देविका एम पी
स्नातक प्रशिक्षु

फेक्ट एम के के नायर उत्पादकता पुरस्कार

श्री पी. राजीव, माननीय उद्योग, कानून और कयर मंत्री ने श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एफ ए सी टी को फेक्ट एम के के नायर उत्पादकता पुरस्कार प्रस्तुति समारोह में एफ ए सी टी एक लाभदायक कंपनी के रूप में बदलने की महान उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। यह केरल राज्य उत्पादकता परिषद्, कलमश्शेरी में आयोजित किया गया था।

श्रेष्ठता पुरस्कार का वितरण

गणतंत्र दिवस समारोह 2022 के भाग के रूप में, फेक्ट प्रबंधन ने पाँच अधिकारियों को श्रेष्ठता पुरस्कारों से सम्मानित किया। उद्योगमंडल के फेक्ट ग्राउंड में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने पुरस्कारों का वितरण किया।

श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक(वित्त) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण के साथ श्रेष्ठता पुरस्कार विजेतागण - श्री लिबिन मैथ्यु विन्सेंट, श्री महबूब ए, उप प्रबंधक (उत्पादन), यू सी, श्री महेश टी एन, अधिकारी (कंपनी सचिवालय) मुख्यालय, श्री प्रदीप कुमार के पी, वरिष्ठ अधिकारी (भंडार), सी डी और श्री शिवराज एस, उप प्रबंधक (बिक्री), विपणन संभाग।

बेलगाम, कर्नाटक में आजादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी का अमृत महोत्सव

12.08.2021 को शासकीय मराठी प्राथमिक विद्यालय कौलापूर वाडी में खानापुर तालुक, बेलगाम जिले के कौलापुर वाडी गाँव में आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेलूर ग्राम पंचायत की ग्राम पंचायत अध्यक्षा श्रीमती अनुसूया बामने ने की। श्री मंजूनाथ कक्कल्ली उप प्रबंधक बिक्री बेलगाम ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। श्री मंजूनाथ कक्कल्ली, एफ ए सी टी लिमिटेड बेलगाम के साथ कार्यक्रम शुरु हुई। सभी अतिथियों और ग्रामीणों का स्वागत किया गया। अतिथियों ने दीप जलाकर और भगवान की अराधना करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथि वक्ता श्री भैरू पाटिल ने ग्रामीण को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से खुद को बचाने के तरीके के बारे में शिक्षित करके की।

श्री रामदास यादव क्षेत्रीय प्रबंधक एफ ए सी टी बेलगाम ने ग्रामिणों को एफ ए सी टी और उत्पादित और विपणन किए जा रहे उत्पादों की श्रेणी, मच्छरदानी के वितरण और अपनाए गए विभिन्न तरीकों के द्वारा सी एस आर गतिविधियों को चलाने में कंपनी कैसे शामिल है, के बारे में समझाते हुए सभा को संबोधित किया। गाँव को दन्तग्रहण की योजना और मृदा परीक्षण आदि जैसी कंपनी द्वारा और साथ ही किसानों को इन महामारी की स्थिति में उर्वरकों के न्यायिक उपयोग और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित किया और सभी एहतियाती उपाय जैसे कि स्वच्छता और टीकाकरण आदि से खुद को कोविड-19 से कैसे बचाया जाए जानकारी प्रदान की।

बाद में बेलूर गांव के उपाध्यक्ष श्री रवींद्र गौरव ने सभी के द्वारा मच्छरदानी के उपयोग पर जोर देने के संबंध में ग्रामिणों को संबोधित किया। बाद में मच्छरदानी वितरण किया और श्री मोनेश बी वाई, अधिकारी(बिक्री) एफ ए सी टी बीजापुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया और सभी ने राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

मच्छरदानी का वितरण

गणतंत्र दिवस समारोह 2022

2022 का गणतंत्र दिवस समारोह फेक्ट ग्राउंड, उद्योगमंडल में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री किशोर रूंग्टा थे। उन्होनें राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा अधिकारियों को श्रेष्ठता पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

गणतंत्र दिवस समारोह का विविध दृश्य

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान विपणन संभाग का निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान विपणन संभाग उर्वरकों से संबंधित बिक्री राजस्व उत्पन्न कर सकता है जो कुल राजस्व लगभग 3258 रू संभाग के लिए एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। संभाग 2021-22 के दौरान सभी उर्वरकों के उत्कृष्ट बिक्री निष्पादन हासिल कर सका। उत्पाद के अनुसार इस अवधि में 8.32 लाख मी ट फैक्ट मफोस, 1.45 लाख मी ट अमोनियम सल्फेट, 29088 मी ट एम ओ पी, 9862 मी ट कार्बनिक और 1990 मी ट कार्बनिक प्लस इस अवधि के दौरान बिक्री किए गए।

फैक्टमफोस की राज्य वार बिक्री के संबंध में तमिलनाडु (2,86,252 मी ट) के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद कर्नाटक (2,12,965 मी ट), आंध्र प्रदेश (1,46,953 मी ट), तेलंगाना (77.925 मी ट) और अंत में केरल (70476 मी ट) है। वर्ष 2021-22 के दौरान दक्षिण भारत में हमारी 20.20.0.13 खंड में 28 प्रतिशत और अमोनियम सल्फेट में 48 प्रतिशत का विपणन हिस्सेदारी है.

हमने वर्ष के दौरान एन एफ एल, एच आई एल और बी वी एफ सी एल जैसे अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ अपने उत्पादों का व्यापार किया है। हमने 2021-22 के दौरान अपने उर्वरक विपणन क्षेत्रों का विस्तार महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उडीसा और पंजाब राज्यों में भी किया है। संभाग ने दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में कार्यशाला, किसान बैठक, डीलर प्रशिक्षण, कृषि प्रदर्शनियों, क्षेत्र प्रदर्शन, डी बी टी प्रशिक्षण आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके आजादी का अमृत महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया है। हमने कर्नाटक राज्य के 4 जिलों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्कूली बच्चों और शिक्षकों के लिए प्रतियोगिताओं, किसान बैठक/प्रशिक्षण आदि भी आयोजित किए हैं और चयनित किसानों को 2000 औषधीय मच्छरदानी वितरित की हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान यू डी एंड पी डी का निष्पादन

उर्वरक इकाईः वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान उद्योगमंडल कोम्प्लेक्स ने 186192 मी ट फैक्टमफोस (एनपी 20:20:0:13) का उत्पादन किया है जो कि संस्थापित क्षमता का 125ऽ और समझौता ज्ञापन लक्ष्य का 98ऽ है।

2021-22 के दौरान अमोनियम सल्फेट का उत्पादन 136665 मी ट था, जो कि संस्थापित क्षमता का 61ऽ और समझौता ज्ञापन लक्ष्य का 64ऽ है।

प्रमुख पुरस्कार और मान्यताएं

एफ ए सी टी उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स ने केरल सरकार के फेक्ट्रीज और बॉयलर विभाग द्वारा गठित बहुत बड़े रासायनिक संयंत्रों की श्रेणी में सुरक्षा पुरस्कार - 2021 जीता है।

एफ ए सी टी उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैप्टर द्वारा गठित बहुत बड़े रासायनिक संयंत्रों में उत्कृष्ट सुरक्षा निष्पादन के लिए सुरक्षा पुरस्कार जीता है।

एफ ए सी टी- यू सी टीम ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैप्टर द्वारा गठित टेबल टॉप मॉक ड्रिल में प्रथम पुरस्कार जीता है।

एफ ए सी टी - राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैप्टर द्वारा गठित सुरक्षा स्किट प्रतियोगिता में यू सी टीम ने प्रथम पुरस्कार जीता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के सिलसिले में फेक्ट वुमन्स वेलफेयर ऑर्गानाइज़ेशन द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

मार्च 8 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। इस दिन एक ऐसा दिन है जब महिलाओं को राष्ट्रीय, जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, आर्थिक या राजनीतिक विभाजन की परवाह किए बिना उनकी उपलब्धियों के लिए पहचाना जाता है। महिलाएँ समाज का एक अहम हिस्सा है। खेल जगत् से लेकर मनोरंजन तक, और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा मंत्रालय तक में महिलाएँ केवल शामिल हैं बल्कि बडी भुमिकाओं में है। महिलाओं की इसी भागीदारी को बढाने और अपने अधिकारों से अनजान महिलाओं को जागरूक करने व उनके जीवन में सुधार करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। ये दिन महिलाओं के सम्मान में समर्पित है।

इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 की थीम यह है कि "एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता" (Gender equality today for a sustainable tomorrow)।

फेक्ट वुमन्स वेलफेयर ऑर्गानाइज़ेशन (एफ डब्ल्यू डब्ल्यू ओ)इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बडी धूमधाम से मनाया गया। दिनांक मार्च 8, 2022 (मंगलवार) को एफ डब्ल्यू डब्ल्यू ओ हॉल में हमारे महिला कर्मचारियों केलिए विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित किया गया। सुगम संगीत, वाचन के साथ म्यूसिकल चेयर एवं पासिंग द डॉल आदि खेलकूद गतिविधियाँ भी आयोजित करके विजेताओं एवं भागीदारों को वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुरस्कार वितरण के बाद सभी महिला कर्मचारियों ने खीर के साथ दावत खाकर परस्पर महिला दिवस की शुभकामनाएँ देकर कार्यक्रम समाप्त किया।

आलप्पुषा में हाउसबोट की यात्रा

यात्रा यानी अपनी रोज़ की भाग दौड भरी जिंदगी से कुछ समय के लिए विश्राम कर सके और अपने परिवार और दोस्तों को समय दे सके। यात्रा या पर्यटन से व्यक्ति को बहुत अच्छा महसूस होता है और सभी के साथ मिल जुलकर रहने का अच्छा अवसर भी मिलता है। इस परिवर्तन के लिए यात्रा का अत्यंत महत्व है। कोविड महामारी के पश्चात् दो वर्ष के अंतराल के बाद इस वर्ष के महिला दिवस के सिलसिले में फेक्ट वुमन्स वेलफेयर ऑर्गानाइज़ेशन ने मार्च 12 शनिवार को एक हाउस बोट की यात्रा (नाव की सवारी) को मनोरंजन बना दिया।

पूर्व के वेनिस के रूप में विख्यात आलप्पुषा भारत के भी मुख्य पर्यट न गंतव्यों में गिना जाता है। आलप्पुषा को आलेप्पी के नाम से भी जाना जाता है। केरल में आलप्पुषा के बैकवाटर सबसे लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है, जो वेम्बनाड झील के किनारे अरब सागर के तट पर स्थित है। यहाँ के हाउसबोट अन्य पर्यटक स्थलों से अलग है। लाखों पर्यटक हाउसबोट का आनंद लेने तथा अपना समय

आयोजित किया। दोस्तों के साथ यात्रा का और परिवार के साथ यात्रा का अलग ही मज़ा है।

पर्यटन कार्यक्रम में 19 महिलाएँ एवं दो बच्चों हुई थीं। हम लोग निर्धारित दिन पूरे उत्साह के साथ सबेरे एलूर से गाडी द्वारा चल पडे और ग्यारह बजे आलप्पुषा में पहुंचे। हम वहाँ पहुँचकर अपराह्न पाँच बजे तक हाउसबोट में था। यात्रा बहुत बढिया थी, यह केरल के बैकवाटर की सुंदरता, और केरल की प्राकृतिक सुंदरता को देखनेलायक था। आलप्पुषा, जो वेम्बनाड झील के किनारे अरब सागर के तट पर स्थित है। यात्रा वेम्बनाडु झील पर जारी थी और झील के चारों ओर घूम रही थी।

खान-पान की पूरी व्यवस्था बोट पर तैयार किया था। घर का बना खाने की तरह था। हम सब हाउस बोट में गायन, नृत्य जैसे विभिन्न कार्यकलापों को आयोजित करके पूरा समय हमारी यात्रा बिताने और जलभराव की शांति और सौंदर्य का अनंद लेने के लिए इधर आते हैं। दिन भर हाउसबोट पर घूमने या रात भर घूमने की सुविधाएँ भी उपलब्ध है। लकडी के पटरों की बनी ये हाउस बोट सभी आधुनिक सुख-सुविधाओं जैसे एयरकंडीशनर, एक से तीन बिस्तर वाले कमरे, शौचालय, रसोई, बालकनी आदि होती है।

हम पाँच बजे हाउस बोट से उतरकर गाडी द्वारा आलप्पुषा बीच में पहुँचे। आलप्पुषा समुद्र तट के होते हुए भी कई पर्यटकों को आकर्षित करने का पर्यटन स्थल है। आलप्पुषा बीच अरब सागर पर एक सुंदर सफेद रेत का समुद्र तट है। यह घूमने के लिए एक अच्छी जगह है। एक शांत वातावरण वाला बीच है। हम लोग पानी में उधर कर सागर की सुंदरता का आस्वादन करके और आईसक्रीम भी खाकर वापस की यात्रा शुरू किया।

शीला के एस
वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी)

फेक्ट ललितकला केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम

आज़ादी के अमृत महोत्सव के भाग के रूप में फेक्ट ललित कला केंद्र द्वारा एक चित्रकला प्रतियोगिता फेक्ट उद्योगमंडल क्लब में आयोजित किया। कंपनी के और बाहर के लगभग 30 चित्रकारों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। दिनांक 20 नवंबर, 2021 को फेक्ट उद्योगमंडल क्लब में आयोजित कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उसी दिन श्रीमती सोनी साई, प्लेबैक सिंगर एवं उनके टीम द्वारा एक संगीत संध्या भी आयोजित किया।

दिनांक 25 मार्च, 2022 को एम के के नायर हॉल में एफ ए सी टी के कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए फेक्ट ललितकला केंद्र द्वारा एक स्किट एवं संगीत प्रदर्शन आयोजित किया। नेशनल सुरक्षा काउन्सिल द्वारा आयोजित नेशलन सुरक्षा सप्ताह समारोह 2022 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त इस स्किट (निंगल क्यूविलाण) में कंपनी के कर्मचारियों ने बहुत उत्साह के साथ अपना अपना रॉल प्रस्तुत कीं। संगीत कार्यक्रम में लगभग 18 गायकों ने गीत एवं वाद्ययंत्र का प्रकटन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक(विपणन), निदेशक (वित्त), निदेशक (तकनीकी) एवं उनके परिवारवालों भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिए थे।

फामिली फेक्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम

नवरात्रि समारोह

देवी सरस्वती की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। माता सरस्वती का पूजन करने से ज्ञान, विद्या, संगीत, वाणी और शांति की प्राप्ति होती है। इस वर्ष के नवरात्रि समारोह के सिलसिले में फामिली फेक्ट दिनांक 13.10.2021 से 15.10.2021 तक देवी सरस्वती की पूजा मुख्यालय में आयोजित किया। दिनांक 15.10.2021 को कंपनी के

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा के साथ निदेशक (विपणन) श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (वित्त) श्री एस शक्तिमणि, निदेशक (तकनीकी) श्री केशवन नंपूरी, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी देवी सरस्वती के पूजन के समय पूजन में भाग लिया। पूजा के समापन समय सबके लिए खीर वितरित किया।

क्रिसमस एवं नववर्ष 2022 समारोह

हर साल दिसंबर का इंतजार रहता दूसरा नए साल के के लिए यह सबसे होता है। फामिली मुख्यालय में दिनांक क्रिसमस एवं नववर्ष मनाया।

का महीना हमें दो चीज़ों है, एक क्रिसमस तो आगमन की। ईसाइयों बडा और प्रमुख त्योहार फेक्ट हर वर्ष की तरह 1 जनवरी, 2022 को 2022 धूम-धाम से

क्रिसमस का संदेश यह है कि सभी के बीच आपसी प्रेम और भाईचारे देता है। हमें आपस में सद्भाव और सौहार्द के साथ रहना सिखाता है। मुख्यालय में क्रिसमस के दौरान क्रिसमस के पेड, क्रिसमस रोशनी जैसी विभिन्न क्रिसमस की सजावट प्रदर्शन तैयार किया। दिनांक 1 जनवरी, 2022 को मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी गण एवं सारे फामिली फेक्ट के सदस्यों की भागीदारी के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया। वरिष्ठ अधिकारीगण सबको प्यार, खुशी, उत्साह और हंसी से भर नए साल की बधाइयाँ देकर केक काट कर दिया। सबको केक वितरित करके क्रिसमस एवं नववर्ष 2022 बहुत धूम-धाम से मनाया गया।

एफ ए सी टी के लिए सुरक्षा पुरस्कार - 2021

उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स

श्री मणिकुट्टन आर, मुख्य महाप्रबंधक (यूसी) और श्री जयराज के बी, महाप्रबंधक (त)यू सी श्री शिवनकुट्टी, माननीय शिक्षा एवं श्रम मंत्री, केरल सरकार से केरल सरकार के फेक्टरीज़ एण्ड बॉयलर्स विभाग (श्रेणी 1 - बडे पैमाने रासायनिक कारखाने) द्वारा सुरक्षा पुरस्कार 2021 एर्नाकुलम में आयोजित सुरक्षा दिवस समारोह के सिलसिले में प्राप्त करते हुए।

कोचीन संभाग

फेक्ट कोचीन संभाग को 2021 में औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्टनिष्पादन के लिए फेक्ट रीज़ एण्ड बॉयलर्स विभाग का उत्कृष्ट सुरक्षा समिति पुरस्कार प्राप्त किया।

KERALA STATE INDUSTRIAL SAFETY AWARD 2021

कोचीन संभाग के संभाग मुख्यों के साथ सुरक्षा विभाग के अधिकारी गण भी दृश्य में है।

माँ वैष्णों देवी की यात्रा

माँ वैष्णों देवी का मंदिर कटरा जम्मू जिले के एक गाँव में स्थित है। यह मंदिर कटरा स्थित 5200 फूट ऊंचे त्रिकूट पर्वत के ऊपर बना है। कटरा से 13 कि मी की दूरी पर माँ वैष्णों देवी एक गुफा में विराजमान है। जिसे भवन कहा जाता है। मेरे बेटे के स्कूल में गर्मीयों की छूट्टी चल रही थी। इस छुट्टी के दौरान हमनें माता वैष्णों देवी के मंदिर दर्शन करने का योजना बनाया। केरल से कटरा जाने के लिए सिर्फ एक सीधी ट्रेन है जिसका नाम हिमसागर एक्सप्रेस है। यह एक साप्ताहिक ट्रेन है। आप हवाई मार्ग से भी जा सकते हैं। बाकि जम्मू और आगे का सफर आपको ट्रेन या रास्ते से करना पडेगा। शाम नौ बजे हम अलूवा से कटरा के लिए हिमसागर एक्सप्रेस में बैठे और हमारी यात्रा शूरू हो गयी। वैष्णों देवी के मंदिर के दर्शन की यात्रा को देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक माना जाता है। अगले दिन प्रात काल हम तिरूपति पहूँचे। तिरूपति रेलवे स्टेशन पर गरम चाय के साथ नाश्ता किया और हमारी ट्रेन सफर पर निकल पडी। हिमसागर एक्सप्रेस नागपूर से होकर हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली, जम्मू तवी और आखरी स्टेशन कटरा तक पहँचाती है।सफर के दौरान हमने कई खेत खलिहान, उँचे-उँचे पर्वत, गुफाएँ, अलग-अलग पोशाख, मकान इत्यादि देखें। जैसे ही हमारी ट्रेन जम्मू तवी पहूँची की तभी सभी भक्त लोग (जय माँ शेरावाली) के जयकारे लगाने लगे। मन में एक अदभूत शक्ती का जैसे संचार हो गया हो, ऐसा अहसास आपको प्रतीत होने लगेगा। आखिरकार हमारी ट्रेन कटरा पर पहूँच गई। जम्मू तवी से कटरा का सफर इतना रोमांच भरा था की मैं इसे अपने शब्दों में व्यतित नहीं कर सकता क्योंकि वह एहसास बिल्कुल निराला था।

कटरा स्टेशन से हम होटल पहूँचे। होटल में नहाना-धोना होने के बाद हमने दोपहर का भोजन किया और विश्राम किया। हमनें निश्चय किया कि हम वैष्णों देवी की चढाई शाम को शुरू करेंगे। चढाई करने से पहले आपको कटरा से ही या ऑनलाइन नि शुल्क यात्रा पर्ची लेनी पडती है, यह पर्ची लेना सुविधाजनक एवं अनिवार्य होता है। इसके बाद आपको चैक पॉइंट पर इंट्री करानी होगी, वहाँ आपके सभी सामानों की चैकिंग होगी उसके बाद आप माँ वैष्णों देवी के मंदिर की चढाई बहुत कठिन महसूस हो रही थी पर हमने निश्चय किया की हम इसे पैदल ही तय करेंगे। जो श्रद्धालू चल नहीं सकते वो अपने इच्छा अनुसार घोडी-खच्चर, पालकी या हेलीकॉप्टर के द्वारा तय कर सकते हैं। ज्यादातर श्रद्धालू पैदल ही माँ के दरबार तक जाते हैं। चढाई के राश्ते में सीढीया भी बनाई हुई है परंतू चढने के लिए सिढीयों के स्थान पर पैदल चलना ज्यादा आरामदायक है। वैष्णों देवी मंदिर कि चढाई के वक्त सबसे पहला ठहराव आता है बाणगंगा। हमनें माँ वैष्णों देवी के मंदिर की चढाई की शुरूआत शाम सात बजे चालू की और करीब नौ बजकर बीस मिनट पर हम बाणगंगा पहूँचे। मंदिर के चढाई में आजू-बाजू रास्ते में दुकाने लगी हुई है। आप खाते-पीते चढाई कर सकते है।

माना जाता है माता वैष्णों देवी ने बाण मार के घरती से गंगा प्रकट की थी और उसी गंगा के जल से अपने बाल धोए थे। यहाँ पर स्नान करने से तन और मन पवित्र हो जाता है। अत हमनें भी बाणगंगा में स्नान किया। पानी बर्फ जैसा ठंडा था। बाणगंगा में स्नान करने के बाद हमारी पूरी थकान दूर हो गई और हम आगे की चढाई पर निकल पडे। रात भर चढाई करते करते हम सुबेरे चार बजे (अर्ध कुवारी) पहूँचे। यह चढाई का दूसरा पडाव था। इस गुफा में माता रानी ने नौ महीने तक रह कर तपस्या की थी। इस गुफा से होकर गुजरना जैसे माँ के गर्भ से हो कर गुजरने समान है। अर्ध कुवारी में रूकने तथा विश्राम करने की उचित व्यवस्था है। थोडा देर आराम कर हम फिर आगे बढ गए। रास्ते में कई भोजनालय बनाए गए है जहां साफ सुथरा भोजन उचित मुल्य में मिलता है। यहाँ का मनपसंद स्वादिष्ट भोजन राजमा चावल का आनंद आप ले सकते हैं। चलते चलते करीब तीन घंटे की चढाई के बाद हम पहूँच गए माता रानी के मंदिर तक, इस स्थान को भवन कहते है जहाँ माता रानी पिंडी रूप में विराजमान है, यह एक पवित्र गुफा है। भवन प्रांगण में भोजनालय, स्नान घर तथा शौचालय बने हुए है। हमनें स्नान कर माँ बैष्णों देवी के गुफा में जाकर दर्शन किया। चारों ओर जय माता दी। जय माता दी। के नारों से तन मन में एक अदभूत उर्जा का प्रसार हुआ और थकान मानो गायब। कहा जाता है माता के दर्शन के बाद भेरो बाबा के दर्शन अनिवार्य है नहीं तो यात्रा पूर्ण नहीं होती। भेरो बाबा का मंदिर आगे की चढाई पर है। अत हम वहाँ पर रोपवे ट्राली से गए और भेरो बाबा के दर्शन किए। पहाड के चोटी से नीचे का नजारा बहुत ही सुंदर था। चारों तरफ हरे भरे पैड आपको छूकर गुजरते बादल और ठंडी साफ हवा आपके तन मन को सुखद आनंद प्रदान करता है। सचमुच माँ वैष्णों देवी की यात्रा निराली है।

जय माता दी

केशव टी केरमे
सहायक महाप्रबंधक (विपणन)
सी एवं सी

राजभाषा की संवैधानिक स्थिति

हम सभी जानते हैं कि हिंदी हमारे स्वतंत्रता संग्राम से बहुत गहराई से जुडी हुई है। महात्मा गांधी के जन आंदोलन के साथ साथ हिंदी से संपर्क भाषा के रूप में संपूर्ण भारत के दूर दराज के इलाकों तक पहुँच गई। उस समय विभिन्न राजनैतिक संगठनों, धर्मों, संप्रदायों के सामने केवल एक ही उद्देश्य था, स्वतंत्रता की प्राप्ति। इस महान उद्देश्य के सामने भाषायी संकीर्णता तथा क्षेत्रीयता महत्वहीन हो गई थी। परंतु स्वतंत्रताप्राप्त होते ही जब संविधान निर्माताओं के समक्ष स्वतंत्र देश की एक राजभाषा का निर्णय करने का समय आया तो इस विषय पर कई मतभेद उभर कर सामने आने लगे। स्वतंत्र भारत के संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई और लगातार दो ढाई वर्ष तक संविधान निर्माण का कार्य चलता रहा। संविधान सभा में राजभाषा पर तीन दिन तक लंबी बहस के पश्चात 14 सितंबर, 1949 को स्वतंत्र भारत के संविधान में हिंदी को सर्वसम्मति से राजभाषा का स्थान दे दिया गया। संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी विशेष प्रावधान दिए गए हैं, जो इस प्रकार हैं -

अनुच्छेद -343 (राजभाषा और अंकों का प्रयोग) - 343(1)

भारत संघ की राजभाषा देवनागरी लिपि में हिंदी होगी। संघ के सरकारी कार्यों में भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूपों का प्रयोग होगा। 343(2)- संविधान लागू होने से (26 जनवरी 1950) 15 वर्ष (26 जनवरी 1965) तक अंग्रेजी भाषा सरकारी कार्यों में पूर्ववत चलती रहेगी। इस अवधि में राष्ट्रपति सरकारी कार्यों में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी तथा भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप के स्थान पर देवनागरी रूप में प्रयोग को आदेश द्वारा प्राधिकृत कर सकते हैं। 343(3)- संसद 26 जनवरी 1965 अर्थात 15 साल के बाद भी अंग्रेजी भाषा या देवनागरी अंकों के प्रयोग को विधि द्वारा विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में जारी रख सकेगी।

अनुच्छेद 344 -राजभाषा आयोग का गठन -

संविधान के प्रारंभ से 5 और 10 वर्षो की समाप्ति पर राष्ट्रपति, हिंदी के विकास और प्रयोग की स्थिति का जायजा लेकर उसके प्रगामी प्रयोग को निश्चित करने के लिए आयोग का गठन करेंगे। 343(4)- आयोग की सिफारिशों पर विचार करने के लिए 30 सदस्यों की संसदीय समिति (जिसमें लोकसभा के 20 राज्यसभा के 10 सदस्य होगें) गठित की जाएगी। समिति अपनी रिपोर्ट राष्ट पति को देगी। तदनुसार राष्ट्रपति आदेश जारी करेंगे।

अनुच्छेद-345- राज्य की राजभाषाएँ

राज्यों के विधान मंडल अपने राज्य में सरकारी प्रयोजनों के लिए स्थानीय भाषा/भाषाओं या हिंदी को अंगीकार करेंगे। जब तक विधि द्वारा ऐसा उपबंध नहीं किया जाता, तब राज्य के सरकारी प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग पूर्ववत जारी रहेगा।

अनुच्छेद-346 - संघ(केंद्र) और राज्य अथवा राज्यों के बीच संचार की भाषा

संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए उस समय प्रयुक्त/प्राधिकृत भाषा ही राज्य और संघ तथा राज्यों के बीच संपर्क भाषा रहेगी। यदि दो या अधिक राज्य अपनी आपसी सहमति से पत्राचार में हिंदी का प्रयोग करना चाहें तो कर सकते हैं।

अनुच्छेद-347- राज्यों में द्वितीय राजभाषा -

यदि किसी राज्य के जनसमुदाय द्वारा बोली जाने वाली भाषा को शासकीय मान्यता प्रदान करने की मांग की जाती है तो राष्ट्रपति उस भाषा को राज्य के सभी या कुछ एक शासकीय प्रयोजनों के लिए मान्यता देने के आदेश देंगे।

अनुच्छेद-348- उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय और अधिनियमों की भाषा

जब तक कोई व्यवस्था न की जाए तब तक उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय की कार्यवाही अंग्रेजी में होगी। केंद्र और राज्यों के सभी अधिनियमों/विधेयकों/अध्यादेशों/आदेश/नियम/विनियम/उपविधियों के प्राधिकृत पाठ अंग्रेजी भाषा में होंगे। साथ ही राज्य का राज्यपाल, राष्ट्रपति की अनुमति से राज्य के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में हिंदी अथवा राज्य की राजभाषा का प्रयोग प्राधिकृत कर सकेगा। (निर्णय/आज्ञप्ति/आदेश के लिए नहीं)

अनुच्छेद-349- भाषा संबंधी कुछ विधियों को अधिनियमित करना (संघ की राजभाषा में संशोधन)

संविधान में प्रारंभ से 15 वर्ष की अवधि के दौरान उच्चतम/उच्च न्यायालयों की कार्यवाही अंगेजी के अलावा अन्य किसी भाषा में करने अथवा शासकीय प्रयोजनों में प्रयुक्त भाषा के लिए कोई संशोधन लोकसभा/राज्यसभा में राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से ही लाया जाएगा।

अनुच्छेद-350- व्यथा निवारण के लिए संघ की राजभाषा

कोई भी व्यक्ति अपनी व्यथा के निवारण के लिए संघ या राज्य के किसी भी पदाधिकारी को संघ या राज्य में उस समय प्रयुक्त राजभाषा में अभ्यावेदन दे सकता है। 350 (क) भाषायी अल्पसंख्यकों के लिए प्राथमिक स्तर पर मातृ भाषा में शिक्षा देने की व्यवस्था की जाए। 350 (ख) एक विशेष पदाधिकारी की नियुक्ति।

अनुच्छेद-351- हिंदी के विकास के लिए निर्देश

हिंदी भाषा का प्रसार, विकास करने, उसे भारत की सामासिक संस्कृति के तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाने की जिम्मेदारी केंद्रीय सरकार की होगी। इसलिए राजभाषा हिंदी अपना शब्द भंडार मुख्यत संस्कृत और गौणत आठवीं अनुसूची अन्य भारतीय भाषाओं से ग्रहण कर अपने आपको समृद्ध करेगी।

संसद में प्रयोग होने वाली भाषा

अनुच्छेद 120 - भाग 17 में किसी बात के होते हुए भी, किंतु अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। परंतु, यथास्थिति राज्यसभा का सभापति या लोकसभा का अध्यक्ष अथवा उस रूप में कार्य करने वाला व्यक्ति किसी सदस्य को जो हिंदी या अंग्रेजी में अपनी पर्याप्त अभिव्यक्ति नहीं कर सकता, अपनी मातृ भाषा में सदन को संबोधित करने की अनुज्ञा दे सकेगा। जब तक संसद विधि द्वारा अन्यथा उपबंध न करें तब तक इस संविधान के प्रारंभ से 15 वर्ष की कालावधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि या अंग्रेजी में ये शब्द उसमें ये लुप्त कर दिए गए हों।

विधान मंडल में प्रयोग होने वाली भाषा

अनुच्छेद 210 - भाग 17 में किसी बात के होते हुए भी, किंतु अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, राज्य के विधान मंडल में कार्य राज्य की राजभाषा में या हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। परंतु यथास्थिति, विधानमंडल का अध्यक्ष या विधान सभा का सभापति अथवा ऐसे में कार्य करने वाला व्यक्ति किसी सदस्य को, अपनी मातृ भाषा में सदन को संबोधित करने की अनुज्ञा दे सकता (यह अनुच्छेद जम्मू कश्मीर पर लागू नहीं है)। जब तक राज्य का विधान -मंडल विधि द्वारा अन्यथा उपबंध न करें तब तक इस संविधान में प्रारंभ से पंद्रह वर्ष की कालावधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि अंग्रेजी में ये शब्द उसमें से लुप्त कर दिए गए हैं। परंतु हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा के राज्य विधान-मंडलों में यह खंड इस प्रकार प्रभावी होगा मानो कि उसमें आने वाले पंद्रह वर्ष शब्दों के स्थान पर पच्चीस वर्ष शब्द रख दिए गए हो।

संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाएँ

असमिया, उड़िसा, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, बँगला, मराठी, मलयालम, संस्कृत, सिंधी, हिंदी, मणिपुरी, नेपाली, कोंकणी, संथाली, बोडो, डोंगरी, मैथिली।

एफ ए सी टी ने मनाया (आजादी का अमृत महोत्सव)

भारत की आजादी के 75वे साल पूरे होने पर एफ ए सी टी ने 4 से 10 अक्टूबर तक आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। समारोह के सिलसिले में निबंध प्रतियोगिता, पैंटिंग प्रतियोगिता, मिनी मैराथन, फोटो प्रदर्शनी, वृक्षारोपण आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को हमारी स्वतंत्रता की समृद्ध विरासत के बारे में अवगत कराने और उनमें देशभक्ति की भावना जगाने और इस देश द्वारा आधुनिक भारत के निर्माण के लिए किए गए प्रयासों के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित किए गए थे।

आजादी का अमृत महोत्सव के सप्ताह भर चलने वाले समारोह

की शुरूआत निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ हुई। प्रतियोगिता का आयोजन फेक्ट प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र द्वारा किया गया था। जिसकी थीम थी, इंडिया75- सूरज से स्वराज तक। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत के विभिन्न हिस्सों से लोगों ने भाग लिया।

उद्योगमंडल के फेक्ट सामुदायिक केंद्र में (आधुनिक भारत के लिए उर्वरक उद्योग) पर एक सप्ताह तक चलने वाली फोटो प्रदर्शनी शुरू हो गई है। श्री किशोर रूंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में भारतीय उर्वरक उद्योग के सामानार्थी एफ ए सी टी के विकास को दर्शाया गया है।

समारोह के दूसरे दिन, फेक्ट ललितकला केंद्र ने फेक्ट उद्योगमंडल क्लब में भारत75 विषय पर सभी व्यक्तियों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कुल 36 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

एफ ए सी टी ने भारत75 विषय पर विशेष रूप से युवाओं के लिए एक प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता का उद्घाट न श्री ए आर मोहनकुमार, मु म प्र (मा स एवं प्रशा), एफ ए सी टी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में 2 सदस्यों की टीमों ने भाग लिया। प्रीलिम्स के लिए कुल 26 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से छह टीमों को फाइनल के लिए चुना गया।एफ ए सी टी ने 07 अक्टूबर, 2021 को अंबलमेडु में 10 कि मी लंबी मिनी मैराथन का आयोजन किया। श्री किशोर रूंग्टा, अ एवं प्र नि ने समारोह का शुभारंभ किया, जिसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों धावकों ने भाग लिया। मैराथन अंबलमेडु हाउस से करीमुकल ब्रहमपुरम रोड के रास्ते शुरू हुई और अंबलमेडु हाउस पर समाप्त हुई। अनुपम मिश्रा, निदेशक(विपणन), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक (वित्त), श्री ए एस केशवन नंपूरी, निदेशक(तकनीकी), श्री के वी बालकृष्णन नायर, कंपनी सचिव और का नि (वित्त), मु म प्र, म प्र और कंपनी के अन्य शीर्ष अधिकारियों ने सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अ एवं प्र नि ने पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस हर साल 14 दिसंबर को पूरे भारत में मनाया जाता है। एफ ए सी टी-उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स ने ऊर्जा संरक्षण दिवस को उपयुक्त तरीके से मनाया। समारोह के सिलसिले में प्रश्नोतरी प्रतियोगिता, नारा प्रतियोगिता, निबंध लेखन, पैंटिग प्रतियोगिता, वृक्षारोपण, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और टाउनशिप में स्टिकर का वितरण, स्कूलों और टाउनशिप में पुस्तिकाओं का वितरण आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह पालन का उद्देश्य है कि एफ ए सी टी के कर्मचारियों के बीच ऊर्जा संरक्षम के बारे में जागरूकता पैदा करना और इसके फलस्वरूप हमारी सभी गतिविधियों में ऊर्जा दक्षता में सुधार करना है।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह समारोह 2021 के समापन समारोह की अध्यक्षता श्री आर मणिकुट्टन, मु म प्र(यूसी) ने की। ऊर्जा प्रबंधक ने चालू वर्ष के लिए ऊर्जा प्रबंधन प्रकोष्ठ की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। विजेताओं को पुरस्कार मु म प्र (सी), मु म प्र(ओ पी)- यू सी और म प्र (मेंटन) द्वारा प्रदान किए गए।

निगम कार्यालय में लिया गया संविधान पालन करने की प्रतिज्ञा

श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक(विपणन), निगम कार्यालय में संविधान पालन करने की प्रतिज्ञा का नेतृत्व किया। श्री ए एस केशवन नंपूरी, निदेशक (तकनीकी), श्री के वी बालकृष्णन नायर, कंपनी सचिव और कार्यपालक निदेशक (वित्त), श्री अजित कुमार टी पी, का नि(पी सी) और श्री ए आर मोहन कुमार, मु म प्र (मा सं एवं प्रशा) आदि अन्य लोगों भी मौजूद थें।

संगठन में सूचना प्रौधोगिकी विभाग का महत्व

मुकुल गुप्ता
सहायक प्रबंधक (आई टी)

आज के दौर में सूचना और संचार प्रौधोगिकी आधुनिक समाज की बुनियादी आवश्यकताओं में से एक बन गई है। आज के डिजिटल युग में हम अपने दैनिक जीवन के कार्यों को करने के लिए मोबाइल उपकरणों का उपयोग करते हैं। डिजिटल उपकरणों के उपयोग के बिना किसी भी कार्य के बारे में सोचना मुश्किल है। सूचना प्रौधोगिकी (आई टी) दुनिया की सबसे तेजी से बढती आर्थिक गतिविधियों में से एक है। सूचना प्रौधोगिकी सक्षम सेवाओं क्षेत्र की सफलताओं ने न केवल हमारे देश की ओर दुनिया के देखने के तरीके को बदल दिया है बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सूचना प्रौधोगिकी का अर्थ है सूचना का निर्माण प्रबंधन, भंडारण और आदान-प्रदान करना। आई टी में सूचनाओं से निपटने के लिए उपयोग की जाने वाली सभी प्रकार की प्रौधोगिकी शामिल है, जैसे कि कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर तकनीक, जिसका उपयोग सूचनाओं को बनाने संग्रहीत करने और स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। किसी संगठन की दक्षता में सुधार के लिए सूचना सुधार के लिए सूचना प्रौधोगिकी का उपयोग करती है। ये सेवाएं सभी कार्यालयों में कैरियर विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है, जिसमें कॉल सेंटर, पेरोल, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, वित्त विभाग, मेडिकल बिलिंग, कानूनी डेटाबेस, बैक ऑफिस ऑपरेशन, सामग्री विकास, वेब सेवाएं और मानव संसाधन सेवाएं आदि जैसे कार्य के अवसर शामिल हैं।

सूचना प्रौधोगिकी के कार्य

1. यह काम करने वाली इकाइयों के लिए परिचालन सीमाओं के निष्पादन और आई टी ढांचे, इंजीनियरिंग और संगठनों के लोगों के उपयोग का संकेत देता है। यह पारंपरिक आई टी सुरक्षा के साथ साथ सूचना पुष्टि के लिए भी आवश्यक है जिसके लिए आई टी कार्यलय भी सक्षम है।
2. बुनियादी ढांचा, यह एक आई टी प्रणाली के लिए आवश्यक सभी घटकों को संदर्भित करता है। इसमें संगठन की जरूरतों और आकार के अनुसार हार्डवेयर नेटवर्क और सर्किटरी उपकरणों का उपयोग शामिल है।
3. कार्यक्षमता, यह शायद सबसे महत्वपूर्ण और व्यवहार्य कार्य है जो एक आई टी विभाग करता है और यही कारण है कि एक आई टी विभाग को एक संगठन में महत्वपूर्ण रूप से याद किया जाता है। यह परिचालन अनुप्रयोगों को बनाने और बनाए रखने के लिए संदर्भित करता है। इसमें संगठन से संबंधित इलेक्ट्रानिक डेटा को विकसित करना, सुरक्षित करना और संग्रहीत करना और संगठन के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में सॉफ्टवेयर और डेटा प्रबंधन के उपयोग में सहायता करना आदि शामिल है।

आई टी सुरक्षा इंजीनियरिंग सिस्टम

स्टोरेज सिस्टम, वर्चुअल वॉल्ट, किसी संगठन के अंदर कुछ क्लाइंट्स को रिकॉर्ड तक पहुँचाने, निकालने, जोडने या बदलने की अनुमति देकर डेटा की सुरक्षा करता है।

1. आई टी सुरक्षा इंजीनियरिंग सिस्टम हमारे इलेक्ट्रॉनिक डेटा को हैक होने या तकनीकी आपदा के दौरान साफ होने से बचाता है। इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा इंजीनियरिंग का मतलब है कि हमारे महत्वपूर्ण रिकॉर्ड अप्राप्य रहेंगे।
2. डेटा नवाचार हमारे कर्मचारियों की परेशानी को दूर करने के लिए कंप्यूटरीकृत चक्र बनाकार हमारे संगठन की उत्पादता में सुधार करता है।

सीधे शब्दों में कहें तो किसी संगठन का कामकाज आई टी विभाग के योगदान के बिना धीमी गति से क्रॉल हो सकता है। सूचना प्रौधोगिकी व्यापार जगत को लाभान्वित करती है और यह संगठनों को अधिक कुशलता से काम करने और उत्पादकता को अधिकतम करने की अनुमति देती है। विकसित सूचना प्रौधोगिकी उत्पादकता को बढाती है। व्यवसाय में लोग कम अवधि में अधिक कार्यों को पूरा करना चाहते हैं और यह तभी प्राप्त किया जा सकता है जब व्यवसाय में एक अच्छी तरह से विकसित सूचना प्रौधोगिकी हो।

कोचीन संभाग की उपलब्धियाँ

2021-2022 को दौरान कोचीन संभाग में निम्नलिखित रिकॉर्ड हासिल किए गए-

- फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र ने सात वर्षों में 57275 मी ट का उच्चतम उत्पादन दर्ज किया और 221-22 में वास्तविक उत्पादन पिछले वर्षों के उत्पादन से 270 मी ट अधिक हो गया।
- फैक्टमफोस (थोक) का उत्पादन 2021-22 के दौरान आंतरिक लक्ष्य से 360 मी ट अधिक बढ गया।
- वर्ष 2021-22 के दौरान कोचीन संभाग ने इंडियन इलेक्टि्रसिटी एक्सचेंड (आई ई एक्स) से 14769.45 मेगावाट बिजली खरीदी। पावर ट्रेडिंग द्वारा बचत लगभग 1.3 करोड रू है।

  राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद/एफ एंड बी पुरस्कार
- एफ ए सी टी कोचीन संभाग ने फेक्टरीज एण्ड बॉयलर्स विभाग से सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा समिति-2021 का पुरस्कार जीता है।

कोचीन संभाग में नए सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन

श्री किशोर रूंग्टा, अद्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा कोचीन संभाग में एक नए अत्याधुनिक सम्मेलन हॉल का उद्-घाटन किया गया। उनके साथ श्री एस शक्तिमणि, निदेशक (वित्त), ए एस केशवन नंपूरी, निदेशक (तक), टी पी अजितकुमार, का नि (पी सी), मु म प्र, प्रबंधक एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

हमारी मनाली यात्रा

हम अपने दोस्तों और परिवार के साथ शहर के एक कैफे में चाय पीने के लिए मिले। बातों बातों में कहीं घुमने जाने की चर्चा होने लगी। इस चर्चा के दौरान हम चंडीगढ, कुल्लु, मनाली, शिमला जाने के लिए सहमत हो गए। सब मनाली का हिमपात और बर्फीले मौसम का आनंद उठाना चाहते थे। इसके तुरंत बाद ही हमनें एक एजेंसी द्वारा यात्रा की तैयारियाँ शुरू कर दी। एक टूर पैकेज के जरिए सबकी होटल और टिकटें बुकिंग की गई। गर्म कपडे, मोजे, दवाई, तथा अन्य आवश्यक सामग्रियों आदि के बारे में खूब चर्चा हुई। सब बहुत उत्सुक थे और 10 मार्च को हमसब पूरी तैयारी के साथ कुल बारह लोग हवाई जहाज से चंडीगढ के लिए रवाना हुए। सब करीब 60 वर्ष के आस पास की आयु के थे। लेकिन उनमें जोश और उमंग काफी जोशीला था। हमसब दोपहर के वक्त चंडीगढ पहुँचे और होटल के कमरे में खाना खाकर कुछ विश्राम किया। हम शाम 3 बजे के आस पास चंडीगढ का मशहूर रॉक गार्डन देखने के लिए निकले। चंडीगढ में स्थित रॉक गार्डन एक शिल्पकृत उद्यान है जिसका निर्माण डॉ नेक चंद सैनी ने करवाया था। यह लगभग चालीस एकड में विस्तृत है तथा टूटी फूटी चीजों जैसे सिरामिक, प्लास्टिक, बोतलों, पुरानी चूडियों इत्यादि के पुर्ननिर्माण कर कई सारी मूर्तियाँ और कला कृतियाँ दर्शाया गया है। यहाँ झरना, खुला थियेटर आदि मौजूद है। शाम के 6 बजे के

बाद हम वहाँ से निकले और सुखना लेक देखने चल पडे। हम काफी थक गए थे। सुखना लेक में हमने बोटिंग किया और ठंडी हवा के झोकों के साथ हमनें अलग रंगीन नावों में पूरे झील का सैर किया और आधे घंटे के अंदर वापस लौट आए। होटल पहुचतें ही सब काफी थक चुके थे। फिर सब नहा-धोकर, रात के खाने के बाद हम सो गए।

रीना एस काम्मत
उप अधिकारी (प्रशासन)

अगले दिन सुबह के नाश्ते के बाद नौ बजे का आस पास हिमाचल प्रदेश में स्थित कालका के लिए निकल गए। कालका पहुँचने का बाद वहां कालका रेलवे स्टेशन से शिमला जाने वाली छोटी सी टॉय ट्रेन सफर के लिए तैयार खडी थी। हमनें अपना सारा सामान टेमपो ट्रेवलर (पंद्रह सीटर वाला) में रखकर, हम सब उस टॉय ट्रेन में आराम से बैठ गए। यह रेलगाडी (टॉय ट्रेन) हमें शिमला की बर्फीली वादियों के बीच से गुजरकर शिमला पहुँचाई। हमें ऐसा खूबसूरत नजारा देखने को मिला कि हम सचमुच चकाचौंध रह गए। पूरी जगह बर्फ से ढकी हुई थी। हम बहुत सारे गर्म कपडे पहनने के बावजूद ठंड एक चादर की तरह हमें ओढने लगा था। चीड के जंगलों और पथरीले पहाडों के साथ, कई झरने और सुरंग है। कालका से शिमला के बीच 96 कि मी के बीच 103 सुरंग और 900 घुमावदार मौड है। इसलिए यह ट्रेन का रूट बहुत अनोखा है।

इस रोमांचक सैर के बाद हम शिमला स्टेशन पहुँचे। वहाँ हमारी गाडी हमारा इंतजार कर रही थी। उसमें बैठकर हम शिमला के हीलटॉप होटल में आ गए. वहाँ आराम करने के बाद अगले दिन हम शिमला घूमने निकले। पहले मॉल रोड गए और ऊँचे ऊँचे चीड के पेडों के बीच बहुत सारी तस्वीरें खिंची और वहाँ से एक क्राइस्ट चर्च गए जो सबसे लोकप्रिय जगह है। यह चर्च वास्तुकला स्मारक ब्रिटिश काल का बना हुआ है।हमनें अपनों के लिए बहुत सारी गर्म कपडे, शॉल आदि और बहुत चीजें खरीदी। रात आठ बजे के अंदर हम वापस पहुँच गए। रात के खाने के बाद हम तुरंत सो गए।

अगले दिन हम कुफरी गए जहाँ हम कई तरह के साहसिक खेलों में शामिल हुए। जैसे कि यॉक राइड, आइस वाइक राइड, फ्री फॉल आदि। हम सब बडे जोश से इन सभी एडवेंचर स्पोट 'स में शामिल हुए जोकि काफी रोमांचक था और वहां से बर्फ से ढकी हुई ग्रीन वैली देखने को मिली। बहुत सारी तस्वीरें खिचने के बाद हम वापस आए और सीधे मनाली से लेह राजमार्ग पर जो दुनिया की सबसे लंबी (9.02 कि मी हाइवे सुरंग है) स्थित अटल सुरंग से गुजरकर बर्फ से ढकी घाटी देखने निकले। वहाँ का नजारा देखकर हम सचमुच दंग रह गए। बर्फ ही बर्फ पडा था और कुछ भी नहीं। दूर दूर तक सफेद चादर की तरह मानो बर्फिले दीवारों के बीच सडक पर से गाडी बडी मुश्किल से हमें वहाँ ले जा रही हो। हमें साँस लेने में तकलीफ होने लगी। हमनें सिर्फ फिल्मों में ऐसा नजारा देखा था। वहाँ जाने के लिए हमनें रास्ते में से सर्दी में पहनने वाले कोट और जूते किराये पर लिए। पर्यटक यहाँ का बर्फीले नजारा देखने के लिए दूर दूर से आते हैं और साहसिक खेलों का आनंद लेते हैं। हमनें खूब बर्फ में खेला और उसके मजें उठाये। यहाँ काफी ठंड होने के बावजूद टीम के सभी सदस्यों ने खूब मस्ती की। इतना मजा और कहीं नहीं मिलता। ठंड से हमारे दांत ठिठूर रहे थे फिर भी बर्फ में लेटकर काफी सारी तस्वीरें ली गई।

अगलें दिन हमें वापस आने का मन ही नहीं कर रहा था। वहाँ बिताए हुए हर पल की यादों में हम खो गए थे। सब एकदम चुप से हो गए। मनाली से हम दिल्ली के लिए रवाना हुए। वहाँ से सीधा कोच्ची। इतनी रोमांचक और यादगार यात्रा की नशा ऐसी चढ गई थी कि आज भी बीच बीच में यादें ताजा कर जाती है।अगर आपसब को भी जिंदगी में अगर एकबार मौका मिले तो शिमला-मनाली की यात्रा जरूर करें।

"

हिन्दी हमारे राष्ट्र की
अभिव्यक्ति का
सरलतम स्रोत है। –
सुमित्रानंदन पंत

"

निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के,
मिटत न हिय को सूल॥

राजभाषा हिंदी की चुनौतियाँ

विकास भगत
अधिकारी (हिंदी)

आज आजादी के 75 वें वर्ष बाद भी संपूर्ण भारतवर्ष में सरकारी कामकाज के लिए हिंदी को राजभाषा के रूप में पूरी तरह से अपनाया नही गया है। पर इस सपने को साकार करने के लिए कोई विशेष महत्वपूर्ण कदम उठाए भी नहीं जा रहे हैं। देश के संविधान में हिंदी को राजभाषा का पद तो मिला, पर आजतक यह पद पाने के बावजूद भी उपेक्षित ही रही। देश की बहुसंख्यक जनता द्वारा वह बोली जाती है, समझी जाती है, दैनिक व्यवहार में उसका उपयोग किया जाता है। इसके बावजूद भी राजभाषा के रूप में हिंदी आज भी संघर्ष कर रही है।

भूमिका

स्वतंत्रतापूर्व भारत में शताब्दियों तक हिंदी का किसी भी भाषा के साथ कोई संघर्ष नहीं था। लेकिन विदेशी शासकों द्वारा पहले फारसी और बाद में अंग्रेजी को राजभाषा बनाकर हिंदी का न्यायोचित अधिकार छीन लिया गया। यही कारण है कि हिंदी को अपना राजभाषा के पद पाने के लिए कडा संघर्ष करना पडा। इसलिए कई आंदोलन भी चलाए गए। इन कई आंदोलनों के दौरान उसके सामने कई चुनौतियाँ निर्माण हुई। इन चुनौतियों के साथ संघर्ष करते करते हिंदी आगे बढ रही है।

आमतौर पर हर स्वतंत्र राष्ट्र की राष्ट्रभाषा को ही राजभाषा का गौरव प्राप्त होता है और वही राष्ट्र अपनी बहुमुखी प्रगति कर सकता है। स्वतंत्रता के बाद हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थान मिला। संविधान में राजभाषा का भी पद उसे मिला, पर देश के प्रशासन ने उसे उपेक्षित ही रखा। राजभाषा का सामान्य और सरल अर्थ है प्रशासनिक व्यवस्था के लिए प्रयोग में लायी जानेवाली भाषा। केंद्र सरकार द्वारा प्रशासनिक कार्यों के लिए राजभाषा का प्रयोग किया जाना जरूरी है। पर दुर्भाग्यवश इस संदर्भ में प्रशासनिक अधिकारियों की उदासिनता ही सामने आती है. स्वतंत्र भारत के संविधान में स्थान पाने के बाद वह उपेक्षित ही रही है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है।

आजादी से पहले हिंदी को राजभाषा बनाए जाने के संदर्भ में अंग्रेजों के द्वारा विरोध किया जाना कोई विशेष आश्चर्य की बात नहीं थी। अंग्रेजों ने उर्दू को ढाल बनाकर हिंदी का विरोध किया। पर आज आजादी के 75वें वर्ष बाद भी उसकी योग्यता में कमी दिखाई जा रही है। राजभाषा हिंदी के संदर्भ में इतने प्रश्न निर्माण किए गए हैं कि यह विषय सुलझने की बजाए और अधिक उलझता ही गया हा। जब जब राजभाषा हिंदी को उसके मौलिक अधिकार प्रदान करने हेतु कोई आंदोलन चलाया गया, तब तब खुलेआम इस बात का विरोध किया गया। विशेषकर दक्षिण भारत से इसका प्रखर विरोध होते आ रहा है। अंग्रेजी ज्ञान के प्रति आग्रह रखना कोई बुरी बात नहीं है। पर हिंदी को राजभाषा बनाने के लिए तीव्रतम विरोध आश्चर्यजनक है।

हमारा देश दुनिया का एक बहुत वडा लोकतंत्र है। लोकतंत्र में लोगों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। लोगों की सक्रियता के बगैर न लोकतंत्र मजबुत बनेगा और न ही देश समृद्ध बनेगा। लोकतंत्र को चलाया जा सकता है लोकसभा से। देश को समृद्ध किया जा सकता है देश की भाषा से। देश की आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, व्यवहारिक अर्थात देश की बहुमुखी प्रगति के लिए लोगों की भाषा का प्रयोग जरूरी है। देश के लोग अपने दैनिक व्यवहार में हिंदी का प्रयोग कर रहे हैं। पर दकियानुसी मानसिकता के चलते प्रशासन जान बुझकर हिंदी की उपेक्षा कर रहा है। राजभाषा हिंदी के सामने प्रशासन की उपेक्षा भी एक बहुत बडी चुनौती है।

यदि कोई भाषा जनभाषा के रूप में कई वर्षों से व्यवहार में प्रचलित है, तो उस जनभाषा को ही राजभाषा का पद मिलना जरूरी है। यही जनभाषा राजभाषा के पद पर आसीन होगी तो उस भाषा का महत्व और अधिक बढ जाता है। उसका महत्व घटता है। राष्ट भाषा हिंदी हमारे देश में आजादी से पहले भी जनभाषा के रूप में व्यवहार में प्रचलित थी। पर राजभाषा के रूप में उसका उपयोग किया नहीं गया। आज तो भूमंडलीकरण के दौर में वह विश्वभाषा बन चुकी है। सभी विषयों पर अभिव्यक्ति की उसमें क्षमता है। यह क्षमता होते हुए भी राजकाज से जहाँ तक संभव हो सके उसे दूर ही रखा जा रहा है। प्रशासन में दक्षिण भारतीयों की भरमार है। और ये अधिकारी नहीं चाहते कि हिंदी राजभाषा बने। यदि हिंदी राजभाषा बनेगी तो प्रशासन में जो उनकी धाक है, वह कम होगी। इनकी यह ओछी मानसिकता राजभाषा हिंदी के सामने एक बहुत बडी चुनौती है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक मात्रा में हो. इसलिए समय समय पर राजभाषा विभाग द्वारा आदेश दिए जाते हैं। हिंदी का प्रयोग किन किन कार्यों में और किस प्रकार हो, इस संदर्भ में सूचना दी जाती है। निश्चित रूप से राजभाषा विभाग का यह एक सराहनीय कदम है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आज भूमंडलीकरण के दौर में जब हम हिंदी की विश्वभाषा के रूप में वकालत करते हैं, तब हम भारतीयों का यह दायित्व बन जाता है कि हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी के रास्ते में आनेवाली समस्त बाधाओं को दूर करें। पहले हम उसे उसका सम्मान दें। अपने घर में उसका गौरव बढाएँ। हम अपनी मानसिकता बदलें। क्योंकि हमारा मानसिक अवरोध राजभाषा हिंदी के समस्त बहुत बडी चुनौती है। राजभाषा हिंदी का मार्ग प्रशस्त करने के लिए हम किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहे। भारत सरकार के गृह मंत्रालय में राजभाषा विभाग को चाहिए कि वह और अधिक चुस्त बनें. राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करे और इसके कार्यान्वयन की ओर ध्यान दे।

नेमी कार्यालय टिप्पणियाँ/ ROUTINE OFFICE NOTES

Draft for approval	अनुमोदन के लिए मसौदा / अनुमोदनार्थ प्रारूप
Application may be rejected	आवेदन अस्वीकार कर दिया जाए।
May please see	कृपया देखें
Top priority	परम अग्रता
May be awaited	प्रतीक्षा की जाए
Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए
May be put up	प्रस्तुत किया जाए
Action may be taken as proposed	यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए
Casual leave applied for may be granted	माँगी गई आकस्मिक छुट्टी दे दी जाए
Explanation may be called for	स्पष्टीकरण माँगा जाए
Relevant papers may be put up	संबंधित कागज-पत्र प्रस्तुत किए जाए
This may pl. be treated as top priority	कृपया इस मामले को परम अग्रता दें
In good faith	सद्भावपूर्वक
In absence of information	सूचना के अभाव में
Hard and fast rule	पक्का नियम
Dismissal on default	दोष पर सेवाच्युत
Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें
Act of misconduct	कदाचार
nota bene (NB)	ध्यान दें, टिप्पणी
Reminder may be sent	अनुस्मारक भेजा जाए
Through proper channel	उचित माध्यम से
Under his signature and seal	उनके हस्ताक्षर एवं मुहर सहित
Zone of consideration	विचार-परिधि
With immediate effect	तत्काल से
Further orders will follow	आगे और आदेश भेजे जाएँगे
For early compliance	शीघ्र अनुपालन के लिए
Against public interest	लोकहित के विरुद्ध
After discussion	विचार-विमर्श के बाद
Advance of TA may pl. be arranged	कृपया यात्रा भत्ते के अग्रिम का प्रबंध करें

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री भगवंत खुबा का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा स्वागत करते हुए

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री भगवंत खुबा गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार करते हुए।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

FACT
प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS

दि फर्टिलाइज़र्स एण्ट केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड

THE FERTILISERS AND CHEMICALS TRAVANCORE LIMITED

(भारत सरकार का उद्यम) / (A Government of India Enterprise)

पंजीकृत कार्यालयः एलूर, उद्योगमंडल - 683 501, कोच्ची, कैरल, भारत

Regd. Office: Eloor, Udyogamandal - 683 501, Kochi, Kerala, India.

वेबसाइट / Website: www.fact.co.in सी आइ एन / L24129KL1943GOI000371